



# प्रादेशिक

## सीतामऊ में युवक की पीट-पीटकर हत्या, दो आरोपी हिरासत में



**लाठी-सरिए से हमला करने का आरोप, जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत**

मंदसौर। जिले के सीतामऊ थाना क्षेत्र के ग्राम दीपा खेड़ा में मंगलवार रात एक युवक के साथ लाठी और सरिए से मारपीट का मामला सामने आया है। गंभीर रूप से घायल युवक ने बुधवार सुबह मंदसौर जिला अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। परिजनों ने तीन लोगों पर मारपीट का आरोप लगाया है। पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया है। मृतक की पहचान दीपा खेड़ा निवासी सुरेश



पिता सीताराम सूर्यवंशी (25) के रूप में हुई है। वह मजदूरी करता था। परिजनों के अनुसार मंगलवार रात करीब 8.30 बजे सुरेश कुछ सामान लेने दीपा खेड़ा बस स्टैंड गया था। आरोप है कि इसी दौरान दशरथ, नागु सिंह और रामपाल उसे अपने साथ ले गए और उसके साथ मारपीट की। परिजनों के अनुसार सुरेश के भाई अर्जुन को सूचना मिली कि कुछ लोग उसके भाई को उठाकर ले गए हैं। वह मौके पर पहुंचा तो तीनों लोग सुरेश के साथ मारपीट कर रहे थे। अर्जुन को देखते ही आरोपी वहां से भाग गए। इसके बाद अर्जुन

# सीतामऊ में चार ठिकानों पर आबकारी की दबिश, घरों में छिपी शराब बरामद

मंदसौर। जिले में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आबकारी विभाग की टीम ने सीतामऊ क्षेत्र में चार अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई की। मंगलवार शाम से देर रात तक चली कार्रवाई में 50 पाव मसाला देशी शराब, 23 पाव प्लेन देशी शराब और 7 माउंट बीयर कैन जब्त किए गए। शराब को अलग-अलग स्थानों पर अलमारी, भूसे के ढेर, गैस टंकी के पीछे, कुलर और वाशिंग मशीन में छिपाकर रखा गया था।

कलेक्टर दिव्यांक सिंह के निर्देश पर मुखबिर की सूचना के आधार पर आबकारी विभाग की टीम ने सबसे पहले ग्राम ढंडेरा में एक दुकान और रहवासी मकान की तलाशी ली। यहां अलमारी में कपड़ों के नीचे छिपाकर रखे प्लेन देशी शराब के पाव मिले।



इसके बाद टीम ग्राम मोरखेड़ा पहुंची। तलाशी के दौरान भूसे के ढेर में मसाला देशी

शराब छिपाकर रखी मिली। मकान के किचन में गैस टंकी के पीछे भी प्लेन शराब के पाव और बीयर कैन रखे मिले।

ग्राम लहुना में एक रहवासी मकान की तलाशी के दौरान कमरे के कोने में रखे कुलर और वाशिंग मशीन से प्लेन और मसाला देशी शराब बरामद हुई। वहीं ग्राम धतुरिया में एक गुमटी की जांच के दौरान अवैध बीयर कैन जब्त किए गए।

आबकारी विभाग ने चारों मामलों में आरोपियों के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 (संशोधन 2000) की धारा 34(1)(क) के तहत प्रकरण दर्ज किए हैं। मामलों की जांच जारी है। विभाग के अनुसार अवैध शराब के संग्रहण, बिक्री और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

### आयुर्वेद को जीवनशैली में अपनाने का विद्यार्थियों से आह्वान

मंदसौर। उद्यानिकी महाविद्यालय में 11वां आयुर्वेद दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आयुर्वेद महाविद्यालय मंदसौर के प्राध्यापक डॉ. अरुण मिश्रा रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक, स्टाफ सदस्य और विद्यार्थी उपस्थित रहे। महाविद्यालय में संचालित अखिल भारतीय औषधि एवं सुगंधित समन्वित शोध परियोजना के वैज्ञानिक डॉ. बसंत कचोली ने आयुर्वेद दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने परियोजना के माध्यम से औषधि एवं सुगंधित फसलों की विकसित किस्मों तथा उनके उपयोग के संबंध में जानकारी दी। डॉ. अरुण मिश्रा ने विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद हजारों वर्ष पुरानी चिकित्सा पद्धति है और पिछले कुछ वर्षों में इसके प्रति लोगों की रूचि बढ़ी है। उन्होंने आयुर्वेदिक उपचार, औषधियों की गुणवत्ता और जीवनशैली में आयुर्वेद को शामिल करने की आवश्यकता पर जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वस्थ रहने के लिए आयुर्वेद के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने घटना स्थल और संभावित स्थानों पर तलाश के साथ-साथ मुखबिरों से सूचना जुटाई तथा 40 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का विश्लेषण किया। जांच के दौरान पुलिस को बालक की लोकेशन राजस्थान के भवानीमंडी क्षेत्र में मिली, जहां से उसे सकुशल दस्तयाब किया गया। चौकी प्रभारी धर्मेश यादव ने बताया कि बालक ने सोशल मीडिया पर कोटा में स्थापित राणेराजी की विशाल प्रतिमा के बारे में देखा था और उसे देखने की इच्छा से वह बिना बताए घर से निकल गया था। पुलिस ने समय रहते उसे भवानीमंडी क्षेत्र में खोज लिया। यदि कुछ मिनट की और देरी होती तो बालक ट्रेन में बैठकर आगे निकल जाता। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी विनय बुंदेला, चौकी प्रभारी धर्मेश यादव, उप निरीक्षक ओंकार सिंह ठाकुर तथा आरक्षक बहादुर भूरिया की विशेष भूमिका रही।

### कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया

विदिशा। राजमाता विजयाराजे सिंधिया शासकीय कन्या (अग्रणी)स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विदिशा में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत राष्कवि रामधारी सिंह दिनकर की जयंती पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस आयोजन में डॉ. मणिमोहन मेहता, डॉ. वनिता बाजपेयी, सुदिन श्रीवास्तव, राजेंद्र श्रीवास्तव, ब्रज श्रीवास्तव एवं उर्वशी सक्सेना ने अपनी कविताओं का पाठ किया। कार्यक्रम का आरंभ कु. सुनेहा द्वारा राष्कवि दिनकर की कविता के पाठ से हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी.डी. अहिरवार ने कहा कि रामधारी सिंह दिनकर जनप्रतिबद्ध कवि रहे, उनकी कविता ने समाज और राजनीति को दिशा दिखाने का काम किया है। कवियों ने अपनी कविताओं में जीवन दर्शन प्रस्तुत किया, साथ ही अपनी कविताओं से श्रोताओं में उत्साह जगाने का काम किया। राजेंद्र श्रीवास्तव ने बाल कविता से छात्राओं का मनोरंजन किया, तो डॉ. वनिता वाजपेयी एवं सुदिन श्रीवास्तव ने अपने गीत और गजलों से कार्यक्रम को समृद्ध किया।

### जिले के युवाओं को रोजगार से जोड़ने की विशेष पहल

विदिशा। जिले के युवाओं को अधिकाधिक प्रशिक्षण, इंटरनशिप एवं रोजगार के अवसरों से जोड़ने की विशेष पहल के अंतर्गत कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता जी के निदेशन में जिला व्यापार एवं उद्योग विभाग के समन्वय से नोडल शासकीय आईटीआई विदिशा द्वारा आज बेतवा सभागार में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती दीपाश्री गुप्ता जी की अध्यक्षता में उद्योगों एवं प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विदिशा जिले के विभिन्न प्रतिष्ठानों एवं उद्योगों के प्रतिनिधि, महाविद्यालयों के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट ऑफिसर (TPO) तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में मध्य प्रदेश शासन की मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना, प्रधानमंत्री इंटरनशिप योजना सहित युवाओं के कौशल विकास एवं रोजगार से संबंधित विभिन्न योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उद्योग प्रतिनिधियों को योजनाओं के अंतर्गत अधिक से अधिक वैकेंसी सुचित करने तथा जिले के युवाओं एवं विद्यार्थियों को प्रशिक्षण , इंटरनशिप एवं रोजगार के अवसरों से जोड़ने हेतु प्रेरित किया गया। बैठक का प्रमुख उद्देश्य जिले में उपलब्ध औद्योगिक एवं व्यावसायिक अवसरों को युवाओं तक पहुंचाना तथा उद्योगों, शैक्षणिक संस्थानों एवं कौशल विकास संस्थानों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित कर युवाओं के लिए रोजगार के अधिकाधिक अवसर सुचित करना रहा।



**आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने शासकीय आयुर्वेद जिला चिकित्सालय भोपाल में विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया।**

## सेवा संकल्प अभियान : प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बोरगांव में 345 हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण

**प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बैतुल बाजार में 7 यूनिट रक्तदान**

बैतुल। 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित सेवा से संकल्प अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर एवं रक्तदान शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में मंगलवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बोरगांव में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ उप सरपंच श्री सुधाकर नावंगे द्वारा किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि स्वास्थ्य शिविर में 345 हितग्राहियों का पंजीयन कर स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार दिया गयासाथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र

बैतुल बाजार में आयोजित रक्तदान शिविर में 7 यूनिट रक्तदान हुआ। शिविर में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ केदार सिंह जाटव एवं स्वास्थ्य स्टाफ द्वारा स्वास्थ्य सेवाएँ दी गईं। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चिचोली में 23 सितम्बर को स्वास्थ्य शिविर एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चो?डोंगरी में रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। सीएमएचओ डॉ.हुरमाड़े ने आमजन से अपील की है कि नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में अपने स्वास्थ्य की जांच करायें एवं स्वास्थ्य लाभ लें। रक्त की कमी से कोई जिदंगी न जाये आपका रक्त किसी का जीवन बचा सकता है, रक्तदान शिविर में आकर रक्तदान करें और मानवता की सेवा में अपना योगदान दें।

छोटा विज्ञापन

बड़ा लाभ

छोटा विज्ञापन

बड़ा लाभ

राष्ट्रीय गरिमा

राष्ट्रीय गरिमा

राष्ट्रीय गरिमा

राष्ट्रीय गरिमा

**क्लासीफाईड विज्ञापन दरें**

150/- रुपये प्रतिदिन 25 शब्दों तक

**स्क्रीम**

2 दिन के विज्ञापन पर 2 दिन अतिरिक्त प्रकाशन  
5 दिन के विज्ञापन पर 10 दिन अतिरिक्त प्रकाशन  
10 दिन के प्रकाशन पर 20 दिन अतिरिक्त प्रकाशन

**राष्ट्रीय गरिमा समाचार पत्र में विज्ञापन देकर अपने व्यापार को दें नई उड़ान**

सम्पर्क करें : 8602000710, 8602000703  
**मात्र 1500/- रुपये में पूरे एक माह चलायें**

# शिक्षा संजीवनी अभियान: शासकीय स्कूलों को डेस्क- बेंच, सीलिंग फैन, टेबल किए भेंट

बैतुल। विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल और कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे के निदेशानुसार जिले में शिक्षा संजीवनी अभियान के तहत शासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए बेहतर एवं सुविधाजनक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मूलभूत व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। अभियान के तहत जनसहभागिता से स्कूलों में डेस्क-बेंच, पर्याप्त विद्युत आपूर्ति, पंखे, प्रकाश व्यवस्था, ई लर्निंग टूल्स, क्रियाशील शौचालय सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में श्रीमती रचना पाटिल और श्रीमती रंजना रघुवंशी द्वारा प्राथमिक शाला गोरकौढाना में सीलिंग फैन प्रदान किए



गए। इसी प्रकार शिक्षा संजीवनी अभियान के अंतर्गत माध्यमिक शाला डुलारिया संस्था में पदस्थ शिक्षक श्रीमती आशा चौहान, अतिथि शिक्षक निता सुरजये, जयवंत नागले द्वारा 3 पंखे और पानी की बाटल भेंट की गई।

एकोकृत सालडोरी में प्रभारी प्रधान पाठक श्री योगेश आर्य, श्री मालिक पंदाम, श्री भूता साल्वे एवं श्रीमती ललिता धुवें द्वारा 6 सीलिंग फैन 6 ट्यूबलाइट व 6 एलईडी लाइट शाला को प्रदान किए गए। स्व.जीएस धोटे की स्मृति में उनकी बेटी मीणा धोटे देशमुख द्वारा माध्यमिक विद्यालय दनोरा को 7 बेंच-डेस्क प्रदान किए गए। सांदीपनि विद्यालय चिचोली के प्राचार्य श्री महाले द्वारा अपने सांदीपनी स्कूल का फर्नीचर 30 डेस्क-बेंच एक टेबल, एक अलमारी, एकीकृत माध्यमिक शाला सिप्लाई को डोनेट किया। इसी प्रकार उन्होंने माध्यमिक शाला बिघवा को दो कुर्सी, एक टेबल, एक अलमारी, चार पंखे, विद्यालय को प्रदान

किए तथा माध्यमिक शाला खेरी को 50 डेस्क 50 बेंच दो टीचर्स टेबल, एक अलमारी भेंट किए, प्राथमिक शाला इंदिरा कॉलोनी को चार पंखे, दो डेस्क-बेंच दान किए। जिला प्रशासन ने शिक्षा संजीवनी अभियान के तहत जिलेवासियों से जनभागीदारी की अपील की है। प्रशासन ने कहा है कि विद्यालयों में डेस्क-बेंच , बिजली, पंखे, प्रकाश व्यवस्था एवं क्रियाशील शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने में सभी सहयोग करें। शिक्षक, पालक, जनप्रतिनिधि अधिकारी एवं नागरिक अपने स्तर पर विद्यालयों की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहभागिता निभाएं।

**मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी उपेन्द्र तिवारी द्वारा प्रदेशवांचक मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कम्प्लेक्स जोन 1 एमपी नगर भोपाल से मुद्रित एवं बी-14 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक : अभिमन्यु तिवारी,सहायक सम्पादक : शैलेन्द्र तिवारी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा। ( समाचार प्रकाशन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार \* ) आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक 61858/95, मो. 8602000710 , 8602000701**





सम्पादकीय

लापरवाह रुख क्यों अपनाया?

तो सवाल उठेगा कि निर्वाचन आयोग ने आम जन और विपक्ष के मन से संदेह दूर करने का क्या प्रयास किया है? जब कभी ऐसे सवाल उठे, आयोग ने उनके प्रति लापरवाह रुख क्यों अपनाया? कम-से-कम इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के मामले में निर्वाचन आयोग इससे अवगत है कि इनको लेकर आम लोगों के मन में कई सवाल हैं। यह बात खुद आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में कही है। मुद्दा ईवीएम वोटों की गिनती में ‘टोटलाइजर’ के इस्तेमाल का है। एक जन हित याचिका में इसके उपयोग का निर्देश देने की गुजारिश की गई है। टोटलाइजर मशीन पोलिंग बूथों की ईवीएम कंट्रोल इकाइयों को जोड़कर वोटों की समग्र गिनती कर देती है। यानी बूथों की अलग-अलग गिनती की जरूरत नहीं पड़ती। इस पर अपना पक्ष रखते हुए आयोग ने कहा- ‘यह कहना प्रासंगिक होगा कि जिस समय ईवीएम की कार्य-पद्धति और साख पर बार-बार सार्वजनिक प्रश्न उठाए जा रहे हैं, टोटलाइजर जैसी नई और अब तक अविनियमित मशीन को जोड़ने से नए आरोप और नए विवाद खड़े हो सकते हैं।’ तो सवाल उठेगा कि यह अहसास होने के बावजूद आयोग ने आम जन और विपक्ष के मन से संदेह दूर करने का क्या प्रयास किया है? जब कभी ऐसे सवाल उठाए गए, आयोग ने उनके प्रति लापरवाही का इजहार क्यों किया? और बात सिर्फ ईवीएम की नहीं है। साख के उससे भी बड़े प्रश्न मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के क्रम में उठे हैं। महाराष्ट्र की जारी नई ड्राफ्ट सूची का उल्लेख करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता ने पूछा है- ‘अब महाराष्ट्र में 2.07 करोड़ मतदाताओं को ड्राफ्ट लिस्ट से बाहर कर दिया गया है- यानी हर पांचवां वोटर। लोकसभा 2024: 9.29 करोड़। विधानसभा 2024: 9.7 करोड़। एसआईआर 2026: 7.78 करोड़। कौन-सी लिस्ट सही थी?’ राहुल गांधी ने जवाब दिया- ‘मैंने तब भी कहा था, आज भी कहता हूं: यह वोट चोरी थी।’ उन्होंने ध्यान दिलाया कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर में जिन नामों को काटा गया, उनमें से 91 प्रतिशत नाम अपील के बाद वापस जोड़ने पड़े। बहरहाल, इस बीच विधानसभा चुनाव हो चुका था! यानी बात सिर्फ सवाल और संदेह की नहीं है। विपक्ष का सीधा आरोप वोट चोरी का है। क्या ये आयोग की जवाबदेही नहीं है कि उचित स्पष्टीकरण पेश कर वह सबका भरोसा हासिल करने के प्रयास करे?

कौशल, रोजगार, स्टार्टअप और आधुनिक शिक्षा पर सरकार का जोर

धनंजय राठौर,

लक्ष्य केवल युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उन्हें कुशल, आत्मनिर्भर, नवाचारी और भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए तैयार मानव संसाधन के रूप में विकसित करना है। 18 हजार 330 युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत राज्य के 26 जिलों में करीब 18 हजार 330 युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। इस पर लगभग 29 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। वहीं, 35 हजार और युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। राज्य सरकार ने युवाओं के कौशल विकास के लिए 75 करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया है, ताकि प्रशिक्षण को उद्योगों और बाजार की बदलती जरूरतों के अनुसार बनाया जा सके। युवा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल, अवसर और पारदर्शी व्यवस्था मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, युवा छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी ताकत और भविष्य की उम्मीद हैं।

युवाओं को विकास के केंद्र में रखते हुए छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय की सरकार कौशल विकास, रोजगार, उच्च शिक्षा, उद्यमिता और खेल क्षेत्र में अवसरों का विस्तार कर रही है। पिछले करीब तीन वर्षों में जब से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सत्ता संभाली है, युवाओं को सक्षम, रोजगारपरक और आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई योजनाएं और पहल शुरू की हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य शिक्षा और प्रशिक्षण को रोजगार से जोड़ते हुए राज्य की युवा आबादी को विकास की नई ताकत में बदलना है। लक्ष्य केवल युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उन्हें कुशल, आत्मनिर्भर, नवाचारी और भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए तैयार मानव संसाधन के रूप में विकसित करना है। 18 हजार 330 युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत राज्य के 26 जिलों में करीब 18 हजार 330 युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। इस पर लगभग 29 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। वहीं, 35 हजार और युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। राज्य सरकार ने युवाओं के कौशल विकास के लिए 75 करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया है, ताकि प्रशिक्षण को उद्योगों और बाजार की बदलती जरूरतों के अनुसार बनाया जा सके। युवा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल, अवसर और पारदर्शी व्यवस्था मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, युवा छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी ताकत और भविष्य की उम्मीद हैं। हमारा प्रयास है कि हर युवा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा,



कौशल, अवसर और पारदर्शी व्यवस्था उपलब्ध हो। युवा सशक्तीकरण विकसित छत्तीसगढ़ के हमारे विजन का केंद्र है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप है। पारदर्शी भर्ती पर फोकस युवा केंद्रित एजेंडे में रोजगार के साथ सरकारी भर्ती व्यवस्था में पारदर्शिता को भी प्राथमिकता दी गई है। राज्य में करीब 9 हजार रिक्त सरकारी पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। इसके अलावा क्लास-3 और क्लास-4 के पदों पर भर्ती को एकीकृत, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए नए छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल का गठन किया गया है। युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सरकार द्वारा निःशुल्क कोचिंग की व्यवस्था सरकार ने युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर अवसर देने के लिए सीजी-एसीई पहल शुरू की है। इसके तहत नीट, सीएलएटी, जेईई, यूपीएससी, सीजीपीएससी, बैंकिंग, एसएससी

और रेलवे जैसी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग की व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए 33 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उच्च शिक्षा के बुनियादी ढांचे का विस्तार युवा विकास की रणनीति में विष्णु देव साय सरकार ने उच्च शिक्षा को भी महत्वपूर्ण स्थान दिया है। उच्च शिक्षा के बजट में करीब 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2025-26 में इसे बढ़ाकर 1,822.75 करोड़ रुपये किया गया है। राज्य के पांच सरकारी कॉलेजों को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इनमें जशपुर, रायपुर, दुर्ग, बलौदाबाजार और रायगढ़ के कॉलेज शामिल हैं। इसी तरह, आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों की तर्ज पर कवर्धा, जशपुर, रायगढ़ और जगदलपुर में छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (सीजीआईटी) विकसित किए गए हैं। आने वाले समय में रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग में भी इनके विस्तार की योजना है। संयुक्त संचालक, जनसम्पर्क (रायपुर)

नरेंद्र मोदी के जनसेवा के बेमिसाल 25 वर्ष : सत्ता की नहीं, सेवा की यात्रा

बाबूलाल मरांडी

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी 76 वर्ष के हो गए। यह तिथि दो मायनों में विशेष है। एक तो सृष्टि शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की जन्म जयंती का पावन अवसर और दूसरा नए भारत के शिल्पकार देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जन्मदिन। भारतीय राजनीति के सार्वजनिक जीवन में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जिनका जीवनकाल केवल पद और सत्ता तक सीमित नहीं रहता बल्कि वह अपने ऐतिहासिक कार्यों से करोड़ों लोगों के जीवन को प्रभावित करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की यात्रा इसी संकल्प, सेवा और राष्ट्र निर्माण की कहानी है। सार्वजनिक जीवन में किसी व्यक्ति की उपलब्धियों का इतना लंबा कालखंड सामान्य पड़ाव नहीं होता। यह उस विचार, कार्यशैली और नेतृत्व की परीक्षा का अवसर होता है, जिसने देश की राजनीति और शासन को प्रभावित किया हो। नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। 7 अक्टूबर, 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। इसके बाद लगभग 13 वर्षों तक गुजरात का नेतृत्व और फिर 2014 से देश के प्रधानमंत्री के रूप में निरंतर सेवा। यह यात्रा केवल पदों की यात्रा नहीं है, बल्कि एक कार्यकर्ता से मुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री बनने तक सेवा को राजनीति का आधार बनाने की यात्रा है। प्रधानमंत्री के रूप में 25 वें वर्ष में प्रवेश करते हुए स्वयं नरेंद्र मोदी ने भी इसे देशवासियों के विश्वास और आशीर्वाद के प्रति कृतज्ञता का अवसर बताया था। आज जब हम इस यात्रा को की देखते हैं तो एक बात स्पष्ट दिखाई देती है कि मोदी के लिए विकास केवल आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि सामान्य नागरिक के जीवन में दिखाई देने वाला परिवर्तन है। राजनीति का केंद्र बदला, प्राथमिकताएँ बदलीं एक समय देश में सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना सबसे बड़ी चुनौती माना जाता था। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनधन खातों से लेकर प्रत्यक्ष लाभ अंतरण तक, उच्चवर्ग से लेकर स्वच्छ भारत तक, आयुष्मान भारत से लेकर जल जीवन मिशन तक, गरीबों के आवास से लेकर डिजिटल सेवाओं तक, सरकार ने योजनाओं की पहुँच को अंतिम छोर तक ले जाने का प्रयास किया। यह बदलाव केवल योजनाओं की संख्या का नहीं है। असली बदलाव यह है कि गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित समाज विकास की चर्चा के केंद्र में आए। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने सबका साथ, सबका विकास को शासन की राजनीतिक भाषा बनाया। आज इसी सोच का विस्तार विकसित भारत2047 के संकल्प में दिखाई देता है। झारखंड के लिए मोदी युग का अर्थ झारखंड की राजनीति और समाज को समझने वाला व्यक्ति यह अच्छी तरह जानता है कि इस राज्य की सबसे बड़ी विडंबना क्या रही है। हमारे पास अपार खनिज संपदा है, जल-जंगल-जमीन है, मेहनतकश लोग हैं, समृद्ध जनजातीय संस्कृति है, लेकिन दशकों तक बुनियादी सुविधाओं और बड़े संस्थानों के मामले में झारखंड अपेक्षाकृत पीछे रहा। ऐसे में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के कार्यकाल में झारखंड में जिन बड़ी परियोजनाओं को गति मिली, उनका महत्व



केवल किसी एक शहर या क्षेत्र तक सीमित नहीं है। वे राज्य की विकास-यात्रा की दिशा बदलने वाली परियोजनाएँ हैं देवघर एम्स इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। केंद्र सरकार ने 2018 में देवघर में एम्स स्थापित करने की मंजूरी दी थी, जिसके लिए 71,103 करोड़ का प्रावधान किया गया था। प्रस्तावित संस्थान में 750 बेड का अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज तथा सुपर-स्पेशियलिटी सुविधाओं का प्रावधान किया गया। 2022 में देवघर में एम्स की इन-पेशेंट और ऑपरेशन थिएटर सेवाओं की शुरुआत तथा विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन-शिलान्यास ने यह संदेश दिया कि झारखंड में भी देश के सर्वोच्च चिकित्सा संस्थानों की सुविधाएँ उपलब्ध हो सकती हैं। उसी अवसर पर देवघर में 16,800 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास हुआ। देवघर एयरपोर्ट : बाबा धाम से विकास की नई उड़ान देवघर एयरपोर्ट केवल एक हवाई अड्डा नहीं है। यह झारखंड की धार्मिक पर्यटन क्षमता, व्यापार, रोजगार और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए एक नया द्वार है। 12 जुलाई 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देवघर एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। लगभग 7400 करोड़ की लागत से विकसित इस एयरपोर्ट में छत्रछह की ओर से 7200 करोड़ का अनुदान भी शामिल था। इसके बाद दिल्ली-देवघर सीधी हवाई सेवा शुरू हुई। केंद्र सरकार ने उस समय यह भी बताया था कि झारखंड में अन्य हवाई संपर्कों के विस्तार पर काम किया जा रहा है। इसका अर्थ केवल इतना नहीं कि अब लोग विमान से देवघर पहुँच सकते हैं। इसका अर्थ है कि बाबा बैद्यनाथ धाम की अर्थव्यवस्था, होटल उद्योग, स्थानीय व्यापार, पर्यटन और रोजगार के लिए नए अवसरों का दरवाजा खुला है। बिरसा मुंडा को झारखंड से निकालकर राष्ट्रीय चेतना का नायक बनाना झारखंड की आत्मा को समझना हो तो भगवान बिरसा मुंडा को समझना होगा। वे केवल एक जनजातीय नायक नहीं, बल्कि स्वाभिमान, संघर्ष और स्वतंत्रता के प्रतीक हैं। नरेंद्र मोदी सरकार ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने

का निर्णय लिया। 15 नवंबर 2021 को रांची में भगवान बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान सह स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन भी हुआ।इस निर्णय का राजनीतिक और सांस्कृतिक महत्व बहुत बड़ा है। जिस राज्य में बिरसा मुंडा ने अंग्रेजी सत्ता को चुनौती दी, उसी राज्य से उनकी स्मृति को राष्ट्रीय गौरव के रूप में स्थापित करना यह बताता है कि भारत का इतिहास केवल कुछ चुनिंदा अध्यायों का इतिहास नहीं है। जनजातीय समाज के संघर्ष, बलिदान और योगदान भी भारतीय राष्ट्र की निर्माण गाथा के अभिन्न हिस्से हैं। यही कारण है कि जनजातीय गौरव दिवस केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि इतिहास के पुनर्पाठ और जनजातीय अस्मिता को सम्मान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। झारखंड के लिए विकास का मतलब केवल खनिज नहीं झारखंड को लंबे समय तक खनिजों की भूमि के रूप में देखा गया। लेकिन आज आवश्यकता है कि झारखंड को मानव संसाधन, पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा, तकनीक और जनजातीय प्रतिभा की भूमि के रूप में भी पहचाना जाए। मोदी सरकार की नीतियों ने इस दिशा में आधार तैयार किया है। देवघर में एम्स स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करता है। एयरपोर्ट पर्यटन और व्यापार को गति देता है। जनजातीय गौरव दिवस और बिरसा संग्रहालय हमारी पहचान और इतिहास को राष्ट्रीय विमर्श में स्थापित करते हैं। लेकिन हमें यहीं रुकना नहीं है। इन परियोजनाओं को रोजगार, निवेश और स्थानीय अर्थव्यवस्था से जोड़ना होगा। झारखंड के युवाओं को केवल नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाना होगा। हमारी जनजातीय प्रतिभाओं को शिक्षा और तकनीक से जोड़ना होगा। हमारे पर्यटन स्थलों की विश्वस्तरीय सुविधाओं से जोड़ना होगा।मोदी जी की विकास दृष्टि का लाभ झारखंड को तभी पूरी तरह मिलेगा, जब राज्य सरकार भी उसी गति, पारदर्शिता और इच्छाशक्ति के साथ काम करे। निर्णय लेने का साहस भी मोदी युग की पहचान नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों को केवल विकास योजनाओं से समझना अधूरा होगा। इस दौर में कई ऐसे निर्णय हुए, जिन्होंने देश की राजनीति और नीति की दिशा पर गहरा प्रभाव

डाला। अनुच्छेद 370 में बदलाव, नई शिक्षा नीति, जीएसटी, डिजिटल अर्थव्यवस्था, आत्मनिर्भर भारत, रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण, महिला सशक्तीकरण से जुड़े कानून, गरीब कल्याण के विधेयक और कोविड महामारी के दौरान बड़े पैमाने पर टीकाकरण अभियान—इन सभी ने भारत के शासन मॉडल को प्रभावित किया। इन निर्णयों पर राजनीतिक मतभेद और बहस लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा हैं। लेकिन यह स्वीकार करना होगा कि नरेंद्र मोदी ने निर्णय लेने वाली सरकार और दीर्घकालीन लक्ष्य वाली राजनीति की संस्कृति को मजबूत किया। दुनिया में बड़ा भारत का आत्मविश्वास पिछले वर्षों में भारत की वैश्विक भूमिका भी बदली है। जी-20 की अध्यक्षता से लेकर वैश्विक दक्षिण की आवाज उठाने तक, भारत ने स्वयं को केवल वैश्विक व्यवस्था का दर्शक नहीं, बल्कि उसमें सक्रिय भूमिका निभाने वाले देश के रूप में प्रस्तुत किया है। आज भारत की अर्थव्यवस्था, डिजिटल क्षमता, अंतरिक्ष कार्यक्रम, रक्षा उत्पादन और वैश्विक कूटनीति पर दुनिया की नजर है। यह बदलाव केवल दिल्ली की कहानी नहीं है। जब भारत मजबूत होता है तो झारखंड जैसे राज्यों के लिए भी निवेश, बाजार, बुनियादी ढाँचे और रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं। 25 वर्ष का पड़ाव, अगले 25 वर्षों का संकल्प नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने का अर्थ यह नहीं कि यात्रा पूरी हो गई। वास्तव में यह अगले और अधिक महत्वपूर्ण चरण की शुरुआत है। 2047 में जब भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा, तब हमारा लक्ष्य केवल बड़ा भारत नहीं, बल्कि विकसित, आत्मनिर्भर, सक्षम और आत्मविश्वासी भारत होना चाहिए। झारखंड के लिए इस लक्ष्य का अर्थ और भी बड़ा है। हमें अपने संसाधनों का उपयोग करते हुए पर्यावरण और विकास में संतुलन बनाना होगा। जनजातीय समाज को विकास की मुख्यधारा में भागीदार बनाना होगा। युवाओं को शिक्षा और रोजगार देना होगा। महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ानी होगी। स्वास्थ्य और शिक्षा की गुणवत्ता सुधारनी होगी। और इसके लिए केंद्र और राज्य के बीच राजनीतिक टकराव नहीं, बल्कि झारखंड के हित में विकास की साझेदारी आवश्यक है। सेवा से सुशासन और सुशासन से विकसित भारत नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक यात्रा को यदि एक वाक्य में समझना हो तो कहा जा सकता है—यह सत्ता की यात्रा से अधिक सेवा की यात्रा रही है। गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री तक का सफर यह बताता है कि राजनीति में निरंतरता, परिश्रम और स्पष्ट लक्ष्य के साथ लंबे समय तक काम किया जा सकता है।झारखंड के लिए इस यात्रा की सबसे बड़ी सीख यह है कि विकास केवल घोषणाओं से नहीं आता। उसके लिए नेतृत्व, निर्णय, संसाधन और सबसे बढ़कर राजनीतिक इच्छाशक्ति चाहिए। देवघर का एम्स, देवघर एयरपोर्ट, भगवान बिरसा मुंडा को समर्पित राष्ट्रीय सम्मान और जनजातीय गौरव दिवस—ये झारखंड में बदलते विकास और बदलती राष्ट्रीय सोच के महत्वपूर्ण प्रतीक हैं।25 वर्ष पहले नरेंद्र मोदी ने शासन की जिम्मेदारी संभाली थी। आज 25 वर्ष बाद उनके सामने विकसित भारत का लक्ष्य है। यह यात्रा अभी समाप्त नहीं हुई है।

राशिफल

मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपका दिन महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करने में बीतेगा। आज आपके पारिवारिक जीवन में सौख्य की वृद्धि होगी। साथ ही आज आपको बड़ी जिम्मेदारी का निर्वाह भी करना पड़ सकता है। आज धन लाभ के कई मौके आपके साथ लगेगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज किसी रिश्तेदार को दिए छुपए आपको वापस मिलेगे और आप सोचे हुए कार्यों में उनका इस्तेमाल कर सकते हैं। आज आपको नींदिया क्षेत्र में अच्छा लाभ मिलने के साथ ही बड़े अवसर भी प्राप्त होंगे।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज आपको व्यापार में अच्छा धन लाभ होगा और आपके वलाइंट के साथ रिश्ते मजबूत होंगे। आज आपका दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा तथा आज आपको संतान पक्ष से सुखसखी प्राप्त हो सकती है।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। इस राशि के विद्यार्थियों को अपनी मेहनत के अनुरूप बेहतर परिणाम हासिल होंगे। आज आपके दाम्पत्य जीवन में खुशी का मौलैल बनेगा। साथ ही धार्मिक कार्यों में आज आप बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपको कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी, ठकावट भरे कार्य पूरे होंगे। साथ ही आपके दाम्पत्य जीवन में आपसी ताल-मेल बढ़ेगा। आज किसी कार्य में घबरावे आपकी ताकतों को और आपकी पढ़ाई में रुचि बढ़ेगी। आज आपकी नौकरी में कुछ सकारात्मक परिवर्तन आयेगे और किसी से लिया कर्ज आज आप वापस करेगे।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आप सामाजिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे, जिससे आपकी जान-पहचान बड़े व्यक्तियों से होगी। आज इस राशि के फैशन डिजाइनर्स का दिन बेहतर रहेगा, आपको ऑनलाइन माध्यम से बड़ा ऑर्डर मिल सकता है। आज दाम्पत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपको अपने खानपान का खास ध्यान रखना चाहिए। आज आपकी आय में बढ़ोतरी होगी और आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। इस राशि के विद्यार्थी आज अपनी पढ़ाई पर ध्यान देंगे, जल्द ही आपको सिलेक्शन मिलेगा।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन सुखाल रहने वाला है। आज आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। आज किसी कार्य में आपके प्रयास सफल रहेंगे, मन प्रसन्न रहेगा। इस राशि के जो अविवाहित हैं उनके विवाह के लिए जल्द ही अच्छे रिश्ते आयेगे। आज दोस्त आपका मनोबल बढ़ाएंगे, उनसे अपने मन की बात शेयर करेंगे।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज पारिवारिक रिश्ते में अच्छा ताल-मेल बना रहेगा। साथ ही आज आपका आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत बनेगा। आज आप अपने किसी वलाइंट से वीडियो कॉल करके नींदिया करेंगे, जिससे आपको बेहतर सुझाव मिलेगे।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज किसी करीबी के साथ आपकी गलतफहमी दूर होगी और आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपका मन अचानक में थोड़ा ज्यादा लगेगा, आप पास के ही मंदिर में कुछ वक्त गुजारेगे जिससे मन शांत होगा।

कुम्भ राशि: कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आपको घर के बड़े से आगे बढ़ने की राय मिलेगी, जो आपके बहुत काम आयेगी। आज इस राशि के लेखकों की बुक प्रस्तित होगी, जिसके लिए उसको ऑर्डर भी मिलेगा।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज किसी खास मेहनताने के स्वागत सत्कार में आप व्यस्त रहेंगे और पहिार में खुशी का मौलैल रहेगा। आज आपको किसी महत्वपूर्ण कार्य को पूरा करने में सफलता प्राप्त होगी। आज पूरा दिन आप ऊर्जा से भरे रहेंगे, आय के नए स्रोत भी आपको मिलेंगे। आज आप बेवजह की बातों से दूरी बनाकर रखें, तो आपके लिए अच्छा रहेगा।



# कृषि वैज्ञानिक कैसे बने



भारत मुख्य रूप से एक कृषि प्रधान देश है जहाँ ज्यादातर लोग खेती करके अपना गुज़ारा करते हैं। इसके अलावा, बेरोज़गारी एक बड़ा मुद्दा है जिसने हाल ही में कई युवाओं का ध्यान खेती की ओर खींचा है। सरकार भी इस सेक्टर पर ध्यान दे रही है। युवाओं को खेती में मदद देती है, अगर आप ग्रामीण माहौल को अच्छी तरह समझते हैं, तो आप एक एग्रीकल्चरल साइंटिस्ट के तौर पर भारतीय किसानों की मदद कर सकते हैं, और इसे एक अच्छे करियर के तौर पर चुन सकते हैं, इस पेज पर खेती के बारे में जानकारी है। एग्रीकल्चरल साइंटिस्ट कैसे बनें, इस बारे में डिटेल में जानकारी दी जा रही है।

## एग्रीकल्चरल साइंटिस्ट बनने के लिए ज़रूरी क्वालिफिकेशन

एग्रीकल्चरल साइंटिस्ट बनने के लिए, आपको 12वीं क्लास की परीक्षा पास करनी होगी, जिसके बाद आप B.Sc. एग्रीकल्चर या B.Sc. एग्रीकल्चर (ऑनर्स) में एडमिशन ले सकते हैं, इसमें आप एग्रीकल्चर, वेटेरिनरी साइंस, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, फॉरेस्ट्री, हॉर्टिकल्चर, फूड साइंस और होम साइंस में से कोई भी सब्जेक्ट ले

सकते हैं। डिग्री सफलतापूर्वक पूरी करने के बाद, आप उसी फील्ड में पोस्टग्रेजुएट कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं, पोस्टग्रेजुएट के बाद आप PhD भी कर सकते हैं, PhD के बाद आपको किसी भी रिसर्च सेंटर से एग्रीकल्चरल साइंटिस्ट बनने का मौका मिलेगा। आप जॉइन कर सकते हैं।

### एग्रीकल्चरल साइंटिस्ट बनने का प्रोसेस

अगर आप एग्रीकल्चरल साइंटिस्ट बनना चाहते हैं, तो आपको हाई स्कूल से ही इसकी तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। आपको हाई स्कूल में एग्रीकल्चरल साइंस सब्जेक्ट लेना चाहिए, उसके बाद आपको इंटरमीडिएट एग्रीकल्चरल साइंस करना चाहिए और अच्छे मार्क्स लाने की कोशिश करनी चाहिए। इंटर में अच्छे मार्क्स लाने के बाद, आप अपनी नजदीकी एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी में एडमिशन ले सकते हैं, इसके लिए आपको एंट्रेंस एजाम भी देना पड़ सकता है, एडमिशन के बाद, आपको सिर्फ वही सब्जेक्ट चुनने चाहिए जिनमें आपको ज्यादा दिलचस्पी हो और आप उसे सफलतापूर्वक कर सकें। ऐसा करने के बाद आप उस सब्जेक्ट में ग्रेजुएट हो जाएंगे।

ग्रेजुएट होने के बाद, आप उस सब्जेक्ट में मास्टर डिग्री कर सकते हैं जिसमें आपको सबसे ज्यादा दिलचस्पी हो। इस डिग्री को पूरा होने में आमतौर पर दो साल लगते हैं, और पास होने और अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए आपको कम से कम 55 प्रतिशत मार्क्स लाने होंगे। एक बार जब आपके मास्टर डिग्री में कम से कम 55 परसेंट मार्क्स आ जाते हैं, तो आप NET एग्जाम देने के लिए एलिजिबल हो जाते हैं। इसके अलावा, आप अलग-अलग यूनिवर्सिटी के PhD प्रोग्राम के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

PhD प्रोग्राम में एडमिशन के लिए, आपको एक एंट्रेंस एजाम पास करना होगा। अगर आपके अच्छे नंबर आते हैं, तो आपको PhD प्रोग्राम में एडमिशन मिल जाएगा; हालाँकि, लिमिटेड सीटों की वजह से एडमिशन कॉम्पिटिटिव होता है।

PhD के दौरान, आप एक प्रोफेसर के गाइडेंस में काम करेंगे और रिसर्च करेंगे। सफल रिसर्च के बाद, आपको एक रिसर्च आर्टिकल पब्लिश करना होगा जिसका रिव्यू कई साइंटिस्ट करेंगे। अगर आपका काम इस स्क्रूटनी में पास हो जाता है, तो यूनिवर्सिटी आपको PhD देगी।

PhD के साथ, आप इंडियन रिसर्च सेंटर में असिस्टेंट साइंटिस्ट की पोस्ट के लिए अप्लाई कर सकते हैं। अगर आप चुने जाते हैं और अच्छा परफॉर्म करते हैं, तो सरकार कुछ सालों में आपको एग्रीकल्चरल साइंटिस्ट के पद पर प्रमोट कर सकती है।

| मेजर कोर्स                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <div><ul style="list-style-type: none"><li>B.Sc. एग्रीकल्चर</li><li>B.Sc. क्राप फिज़ियोलॉजी</li><li>M.Sc. एग्रीकल्चर</li><li>M.Sc. (एग्रीकल्चरल बाॅटनी/बायोलॉजिकल साइंसेज)</li><li>एग्री-बिज़नेस मैनेजमेंट में MBA</li><li>फूड प्रोसेसिंग में डिप्लोमा</li><li>एग्रीकल्चर और उससे जुड़े कामों में डिप्लोमा कोर्स</li></ul></div> |
| एग्रीकल्चर में सर्टिफिकेट कोर्स (एक साल)                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
| <div><ul style="list-style-type: none"><li>एग्रीकल्चरल साइंस में सर्टिफिकेट</li><li>फूड और बेवरेज सर्विस में सर्टिफिकेट कोर्स</li><li>बायो-फर्टिलाइज़र प्रोडक्शन में सर्टिफिकेट कोर्स</li></ul></div>                                                                                                                            |
| एग्रीकल्चर में डिप्लोमा कोर्स (2 साल)                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
| <div><ul style="list-style-type: none"><li>एग्रीकल्चर में डिप्लोमा</li><li>फूड साइंस और उससे जुड़े कामों में डिप्लोमा</li><li>फूड प्रोसेसिंग में डिप्लोमा</li></ul></div>                                                                                                                                                        |
| एग्रीकल्चर में बैचलर कोर्स (3 साल)                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
| <div><ul style="list-style-type: none"><li>एग्रीकल्चर में बैचलर ऑफ साइंस</li><li>एग्रीकल्चर में बैचलर ऑफ साइंस (ऑनर्स)</li><li>क्रॉप फिज़ियोलॉजी में बैचलर ऑफ साइंस</li></ul></div>                                                                                                                                              |
| एग्रीकल्चर में मास्टर कोर्स (2 साल)                                                                                                                                                                                                                                                                                              |
| <div><ul style="list-style-type: none"><li>एग्रीकल्चर में मास्टर ऑफ साइंस</li></ul></div>                                                                                                                                                                                                                                        |

## अकाउंटिंग और ऑडिटिंग फील्ड में करियर



अकाउंटिंग फील्ड के अंतर्गत आपको किसी संस्था में रोजाना होने वाले लेन-देन का हिसाब रखना होता है और ऑडिटिंग के अंतर्गत आपको संस्था की अकाउंटिंग बुक्स की समीक्षा करनी होती है, अधिकतर कंपनी अपने यहाँ अकाउंटिंग के लिए जॉब निकलती है, परन्तु अकाउंटिंग के कार्य कि जॉच किसी अन्य व्यक्ति या संस्था से करवाते है, उसे ही ऑडिटिंग कहा जाता है, भारत में कंपनी अधिनियम के अनुसार किसी कंपनी का आडिट केवल चार्टर्ड एकाउंटेंट के द्वारा ही हो सकता है, इसलिए चार्टर्ड एकाउंटेंट का पद अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है, अकाउंटिंग और ऑडिटिंग फील्ड में करियर कैसे बनाये ? इसके बारे में आपको इस पेज पर विस्तार से बता रहे है ।

### सरकारी क्षेत्र में अवसर

कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) द्वारा इसके लिए प्रत्येक वर्ष नोटिफिकेशन निकालती है, जिसके माध्यम से आप सरकारी नौकरी प्राप्त कर सकते हैं, एसएससी की परीक्षा के बाद यदि आपका चयन होता है, तो आपको सार्वजनिक क्षेत्रों के बैंकों, आयकर या सीमा शुल्क कार्यालयों, सार्वजनिक क्षेत्र की किसी भी इकाई जैसे बिजली बोर्ड इत्यादि में आपको ज्वाइनिंग मिल सकती है ।

### शैक्षणिक योग्यता

अभ्यर्थी को बारवी की परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है, इसके पश्चात आप बैचलर या डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश प्राप्त कर सकते है ।

### प्रवेश प्रक्रिया

कुछ विश्वविद्यालय और कॉलेज बारवी की परीक्षा में प्राप्त अंको के आधार पर मेरिट बना कर प्रवेश देते है, और कुछ कॉलेज प्रवेश परीक्षा, ररूप डिस्कशन व साक्षात्कार के बाद प्रवेश देते हैं ।

### आईसीएआई सर्टिफिकेशन (भारत)

बारवी की परीक्षा के बाद आप चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने के लिए कॉमन प्रोफिशिएंसी टेस्ट (सीपीटी) दे सकते है, इस परीक्षा का आयोजन वर्ष में दो बार किया जाता है, पहली बार यह जून महीने में और दूसरी बार दिसंबर महीने में आयोजित की जाती है, कॉमर्स संकाय से स्नातक उत्तीर्ण छात्र 55 फीसदी तथा साइंस व आर्ट्स ग्रेजुएट के छात्रों को 60 फीसदी अंक सीपीटी परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए अनिवार्य है ।

### सर्टिफाइड इंटरनल ऑडिटर (सीआईए)

वैश्विक स्तर पर एक ऑडिटर के रूप में कार्य करने के योग्य होने के लिए एक अकाउंटेंट के पास यह सर्टिफिकेशन होना अनिवार्य है, यह सर्टिफिकेशन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनल ऑडिटर्स (आईआईए) द्वारा कराया जाता है ।

### सीआईए के लिए योग्यता

अभ्यर्थी को स्नातक उत्तीर्ण होना अनिवार्य है, इसकी अवधि चार साल की होती है, इसकी सभी परीक्षाओं को इस अवधि में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है, इसके सफलता पूर्वक उत्तीर्ण होने के बाद आपको दो वर्ष का इंटरनल ऑडिट में अनुभव प्राप्त करना अनिवार्य है, यदि अभ्यर्थी एमकॉम उत्तीर्ण है, तो उसके लिए केवल एक वर्ष का अनुभव अनिवार्य है ।

### ऑडिटिंग में जॉब के अवसर

भारत में ऑडिटिंग के जॉब आपके पास इंटरनल ऑडिटर, एक्सटर्नल ऑडिटर, गवर्नमेंट ऑडिटर, फॉरसिक ऑडिटर के रूप में प्राप्त होते है, यह अवसर आपको मेयूफैक्चरिंग सेक्टर, इंश्योरेंस व बैंकिंग सेक्टर, कॉर्पोरेट, पब्लिक सेक्टर, एनजीओ इत्यादि में आसानी से प्राप्त हो जाते है । अकाउंटेंसी के क्षेत्र में प्रमुख सर्टिफिकेट इस प्रकार है-

### एसोसिएशन ऑफ चार्टर्ड सर्टिफाइड अकाउंटेंट्स

अकाउंटेंसी के क्षेत्र में प्रवेश के लिए एसीसीए सर्टिफिकेट को पासपोर्ट माना जाता है, जिसके माध्यम से आप इस क्षेत्र में आसानी से प्रवेश प्राप्त कर सकते है, इस सर्टिफिकेट के द्वारा छात्र अकाउंटिंग और फाइनेंस मैनेजर के रूप में कार्य कर सकते है ।

### एसीसीए के लिए योग्यता

बारवी की परीक्षा उत्तीर्ण होने के बाद आप इसमें प्रवेश प्राप्त कर सकते है, इसकी अवधि तीन साल की है, कॉमर्स संकाय से उत्तीर्ण छात्र के लिए इसकी अवधि दो से ढाई साल की होती है, इस सर्टिफिकेट के माध्यम से आप मैनेजमेंट अकाउंटिंग एग्जीक्यूटिव, अकाउंट एग्जीक्यूटिव, क्रेडिट असिस्टेंट, असिस्टेंट फ्यूचर्स ट्रेड, असिस्टेंट टैक्स ऑफिसर आदि पदों पर कार्य कर सकते है ।

### सर्टिफाइड मैनेजमेंट अकाउंटेंट (सीएमए)

सीएमए सर्टिफिकेट विश्व स्तर पर मान्य है, इसको करने के बाद आप किसी मल्टीनेशनल कंपनी में जॉब प्राप्त कर सकते है, इसके माध्यम से आप किसी भी बहुराष्ट्रीय कंपनी के वित्तीय रिकॉर्ड को चेक कर सकते है, इस सर्टिफिकेट को इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अकाउंटेंट द्वारा सीएमए (अमेरिका) के लिए जारी किया जाता है, इसकी अवधि छः महीने की होती है भारत के लिए यह सर्टिफिकेट इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया जारी करता है, इस कोर्स की अवधि तीन से लेकर चार साल की होती है ।

### शैक्षिक योग्यता

स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण होने के बाद इसके साथ अतिरिक्त कोर्स के रूप में फाइनेंस और अकाउंटिंग में डिग्री होनी चाहिए, इसके लिए दो वर्ष का अनुभव आवश्यक है ।

### प्राप्त पद

फाइनेंस मैनेजर, अकाउंटिंग मैनेजर, बजटिंग मैनेजर, इंटरनल ऑडिटर, इन्वेस्टमेंट मैनेजर, कॉस्टिंग और फाइनेंशियल मैनेजर आदि ।

### सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट (सीपीए)

यह सर्टिफिकेट अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त है, इस कोर्स को सीए व समकक्ष कोर्स वाले,एमकॉम और एमबीए किए हुए अभ्यर्थी कर सकते है, इस कोर्स में स्नातक और परास्नातक के आधार पर क्रेडिट आवर्स निर्धारित किये जाते है, अधिकतर राज्यों में बीकॉम के आधार को स्वीकार्य नहीं किया है, इसकी अवधि एक वर्ष छः महीने की होती है, अभ्यर्थी को इसके अंदर परीक्षा उत्तीर्ण करनी अनिवार्य है ।

### सॉफ्टवेयर्स का ज्ञान

अभ्यर्थी को छोटी कम्पनी में कार्य करने के लिए ईआरपी, टैली, फ़िकबुक्स जैसे सॉफ्टवेयर का प्रयोग करना आना चाहिए, बढी कंपनियों में जोहोबुक्स, बिजी, मार्ग जैसे सॉफ्टवेयर का प्रयोग किया जाता है, इसलिए यदि आपको इन सॉफ्टवेयर का सही से ज्ञान है, तो आपको जॉब मिलने की संभावना अधिक हो जाती है ।

### वेतन

इस क्षेत्र में अच्छी डिग्री प्राप्त करने के बाद अच्छा अनुभव भी आवश्यक है, इसके बाद आपके पास जॉब के अनेक अवसर प्राप्त होत लगेगे, भारत में एक ऑडिटर का वेतन लगभग तीन से चार लाख रुपये प्रतिवर्ष हैं, अकाउंटेंट के रूप में आप दो से साे। तीन लाख रुपये प्रतिवर्ष आसानी से प्राप्त कर सकते है, यह वेतन पद और अनुभव के आधार पर बढ़ता रहता है ।



- बायोलॉजिकल साइंसेज में मास्टर ऑफ साइंस
- एग्रीकल्चरल बाॅटनी में मास्टर ऑफ साइंस

### एग्रीकल्चर में डॉक्टरेट कोर्स (3 साल) लाल)

- एग्रीकल्चर में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी
- एग्रीकल्चरल बायोटेक्नोलॉजी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी
- एग्रीकल्चरल एंटोमोलॉजी में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी

### एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी

- आचार्य एनजी रंगा एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, (ANGRAU), हैदराबाद, आंध्र प्रदेश
- एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, उदयपुर
- आनंद एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, आनंद, गुजरात
- असम एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी (AAU), जोरहाट, असम-785013
- विधान चंद्र एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी (BCKVV), पश्चिम बंगाल
- बिरसा एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी (BAU) रांची, झारखंड
- सेंट्रल एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी (CAU), इंपाल,

### मणिपुर

- सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ़ फिशरीज़ एजुकेशन, मुंबई
- डॉ. पंजाब राव देशमुख एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी (PKV), अकोला, महाराष्ट्र
- डॉ. यशवंत सिंह परमार हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री (ISPUHXE), हिमाचल प्रदेश
- गोविंद वल्लभ पंत यूनिवर्सिटी ऑफ़ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी (GVPAUXT) पंतनगर, उत्तर प्रदेश
- गुजरात एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी, सरदार कृषि नगर दंतोबाड़ा (बनासकांठा)
- इंडियन एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
- इंडियन वेटेरिनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट, इज्जतनगर
- इंदिरा गांधी एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी (IGKVV), कृष्कनगर, रायपुर

यहां हमने आपको एग्रीकल्चरल साइंटिस्ट के बारे में जानकारी दी है, अगर इस जानकारी से जुड़ा आपके मन में किसी भी तरह का सवाल है, या इससे जुड़ी कोई और जानकारी पाना चाहते हैं, तो कमेंट बॉक्स के ज़रिए हमसे पूछ सकते हैं, हम आपके फीडबैक और सुझावों का इंतज़ार कर रहे हैं।

## स्नो एक्सपर्ट में करियर कैसे बनाये



### कैसे बनाये स्नो एक्सपर्ट में करियर

अधिकांश लोग पर्वत और चोटियों पर घूमना पसंद करते है, पर्वत और चोटियों पर बर्फ जमा रहती है, स्नो एक्सपर्ट के रूप में बर्फ के क्षेत्र में सर्वेक्षण किया जाता है, और भविष्य में हिमस्खलन और अन्य प्राकृतिक खतरों की सटीक जानकारी प्रदान करनी होती है, स्नो एक्सपर्ट के रूप में रोजगार सरकारी एजेंसियों और ट्रेवल एंड एडवेंचर टूरिज्म से जुड़ी कंपनियों के द्वारा प्रदान किया जाता है,यदि आपको सर्दियां और कड़ाके की ठंड अच्छी लगती है, तो स्नो एक्सपर्ट आपको करियर बनाने के लिए एक अच्छा विकल्प है, इस पेज पर इसके बारे में विस्तार से बता रहे है।

### स्नो एक्सपर्ट का कार्य

एक स्नो एक्सपर्ट के रूप में स्नो फॉल और एक्स्प्लूलेशन पैटर्न के विषय में पढ़ाई की जाती है, जिसके माध्यम से भविष्य में हिमस्खलन और अन्य प्राकृतिक खतरों की जानकारी बिलकुल सही प्राप्त हो सके, इसके साथ स्नो एक्सपर्ट से यह आशा की जाती है, कि वह ग्लेशियर और बर्फ़ीली जगहों पर रिसर्च करे और उनके डाटा को एकत्रित करें, जिससे वैज्ञानिकों को ग्लोबल वॉर्मिंग की जाँच करने में सहायता मिल सके, विशेषज्ञों के लिए हिमस्खलन और ग्लेशियोलॉजिस्ट के रूप में बर्फ़ का अध्ययन करना एक विषय के रूप में है, इस समय ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण ग्लेशियरों के बड़े-बड़े बर्फ़ के टुकड़े टूटकर पिघल रहे है, जिससे सागर का जल स्तर में अत्यधिक वृद्धि हो रही है, ग्लेशियर की बर्फ़ का अध्ययन ग्लेशियोलॉजिस्ट के द्वारा किया जाता है, इसके साथ ही वातावरण में हुए बदलाव के कारण जलस्तर, चट्टान या अवसाद के सिक्वेटुये या बड़ने की जांच की जाती है ।

### प्राकृतिक आपदाओं में सहायता

ग्लेशियर के डाटा से विशेषज्ञ और स्नो वैज्ञानिकों को अत्यधिक सहायता प्राप्त होती है,

जिससे वह समुद्र तल, सिक्वेटुये ग्लेशियर की जाँच सही तरीके से कर सकते हैं, विशेषज्ञ बर्फ़ का विश्लेषण उसके गुण और व्यवहार के माध्यम से करते है, इस प्रयोग के द्वारा प्राकृतिक आपदाओं की भविष्यवाणी करने में सहायता प्राप्त होती है ।

### प्रवेश प्रक्रिया

अभ्यर्थी को बारवी की परीक्षा विज्ञान वर्ग में उत्तीर्ण करना अनिवार्य है, इसके बाद आप बीएससी या एमएससी को फिजिक्स या मैथेमैटिक्स विषय के साथ उत्तीर्ण करना होता है, इसके पश्चात आप इसके कोर्स में प्रवेश प्राप्त कर सकते है, इस कोर्स में आप फिजिकल/ बायोलॉजी/ कैमिककल और पृथ्वी व पर्यावरण विज्ञान में डिग्री प्राप्त कर सकते है, इस विषय में पीएचडी करने के उपरांत अभ्यर्थी को उच्च पद पर कार्य करने का अवसर प्राप्त होता है, इस क्षेत्र में फिजिकल/ एनवायरनमेंट साइंस में मास्टर डिग्री के उपरांत भी प्रवेश प्राप्त कर सकते है, इसके ग्लेशियोलॉजिस्ट बनने के लिए व्यक्ति के अन्दर प्रकृति प्रेम के साथ फिजिकली रूप से मजबूत होने की आवश्यकता है ।

### रोजगार के अवसर

रिसर्च इंस्टीट्यूट, पेट्रोलियम और माइनिंग कंपनी, जियोलॉजी और इंजीनियरिंग फर्म में आप स्नो साइंटिस्ट ग्लेशियोलॉजिस्ट और हिमस्खलन विशेषज्ञ के रूप में कार्य कर सकते है, इसके अतिरिक्त आप कंसल्टिंग कंपनी, सरकारी व शैक्षिणिक संस्थानों कंसल्टिंग कंपनी, सरकारी व शैक्षिणिक संस्थानों में भी कार्य कर सकते हैं ।

### प्रमुख संस्थान

जवाहर लाल यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली (www.jnu.ac.in) । डिफेंस रिसर्च डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (www.drdo.org) । टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ़ फंडामेंटल रिसर्च (www.tifr.res.in) ।

# गुटेरेस ने नेपाल त्रासदी को जलवायु परिवर्तन के खतरे का वास्तविक रूप बताया

काठमांडू। संयुक्त राष्ट्रसंघ महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि तीन वर्ष पहले नेपाल के सगरमाथा (माउंट एवरेस्ट) क्षेत्र से उन्होंने जलवायु परिवर्तन के खतरे को लेकर जो चेतावनी दी थी, नेपाल में हाल की घटनाओं ने उसके वास्तविक रूप को सामने ला दिया है। संयुक्त राष्ट्रसंघ की 81वीं महासभा को मंगलवार सुबह संबोधित करते हुए गुटेरेस ने कहा कि तीन वर्ष पहले उन्होंने नेपाल के हिमालय से दुनिया को चेतावनी दी थी कि ‘दुनिया की छत’ खतरे में है और बर्फ बेहद तेजी से पिघल रही है। उन्होंने कहा, तीन वर्ष पहले नेपाल के हिमालय से मैंने चेतावनी दी थी कि दुनिया की छत गिर रही है। मैंने बर्फ के बेहद तेजी से पिघलने को लेकर खतरे की घंटी बजाई थी। कुछ लोगों ने इसे खतरे को बढ़ा-



चढ़ाकर पेश करना कहकर खारिज कर दिया था। लेकिन नेपाल की मौजूदा दुखद घटनाओं ने दिखा दिया है कि इसके गंभीर प्रभाव हमारी सोच से कहीं पहले

सामने आ रहे हैं और उनका दायरा भी लगातार बढ़ रहा है। गुटेरेस ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का खतरा अब वास्तविकता बन चुका है और दुनिया इसे

अपनी आंखों के सामने देख रही है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन की सबसे बड़ी कीमत कमजोर देशों को चुकानी पड़ रही है, जबकि उन्हें न्याय नहीं मिल रहा है। उन्होंने महासभा में कहा कि जलवायु परिवर्तन की कीमत प्रदूषण फैलाने वालों को चुकानी होगी और इसके प्रभाव से प्रभावित कमजोर देशों को न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने जलवायु न्याय की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि विकसित और समृद्ध देशों को इसकी कीमत चुकानी होगी। गुटेरेस ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिए उपलब्ध वित्तीय संसाधन बेहद कम हैं। उन्होंने ‘हानि एवं क्षति कोष’ में मौजूद राशि को शर्मनाक रूप से कम बताया। उन्होंने कहा, इसमें बेहद कम पैसा है। इसमें पर्याप्त धनराशि

होनी चाहिए। अब और लूट एवं शोषण नहीं होना चाहिए। यूएन महासचिव ने विकसित देशों से जलवायु वित्त के संबंध में अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विकसित देशों को अनुकूलन वित्त को तीन गुना करना चाहिए और ‘हानि एवं क्षति कोष’ को बड़े स्तर पर प्रभावी ढंग से काम करने में सक्षम बनाना चाहिए। गुटेरेस ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का खतरा सबसे अधिक कमजोर लोगों के लिए है। उन्होंने कहा कि आज एक पीढ़ी दूसरी पीढ़ी के भविष्य का इस्तेमाल कर रही है और एक समूह इससे लाभ कमा रहा है, जबकि जलवायु परिवर्तन के लिए सबसे कम जिम्मेदार लोग ही इसके सबसे पहले और सबसे गंभीर प्रभावों का सामना कर रहे हैं।

## पुतिन-जेलेंस्की बैठक पर रूस का रुख साफ, मॉस्को आने पर सुरक्षा की गारंटी : क्रेमलिन

मॉस्को। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने बुधवार को कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और व्लादिमीर जेलेंस्की के बीच बैठक की संभावना पर रूस का रुख साफ है; अगर जेलेंस्की चाहें तो मॉस्को आ सकते हैं और उन्हें सुरक्षा की गारंटी दी जाएगी। पेस्कोव ने पत्रकारों से कहा, पुतिन और जेलेंस्की की बैठक के बारे में हमारा रुख सभी को पता है। पुतिन ने कहा है कि अगर जेलेंस्की चाहें तो मॉस्को आ सकते हैं। उन्हें जरूरी सुरक्षा गारंटी दी जाएगी। और उन्हें अच्छी तरह पता है कि क्या फ़ैसले लेने की जरूरत है। साथ ही अधिकारी ने कहा कि एक्सपर्ट लेवल पर काम पूरा किए बिना पुतिन और जेलेंस्की के बीच बैठक व्यावहारिक नहीं है और ऐसा करना समय की बर्बादी होगी। इससे पहले पेस्कोव ने आरोप लगाया था कि कीव प्रशासन लगातार आतंकवादी गतिविधियां कर रहा है। पेस्कोव ने पत्रकारों से कहा, कीव शासन अपनी आतंकवादी गतिविधियां जारी रखे हुए है, इसलिए अभी बातचीत के जरिए शांति का रास्ता अपनाने के लिए कोई आधार नहीं बना है। हालांकि, रूस के तौर पर हम शांतिपूर्ण बातचीत के लिए तैयार हैं। पेस्कोव ने कहा कि यूक्रेन का सैन्यीकरण जारी है क्योंकि यूरोपीय देश हथियार खरीदने के लिए नए पैसे का इंतज़ाम करने की कोशिश कर रहे हैं। क्रेमलिन प्रवक्ता ने यह भी आरोप लगाया कि यूके नेतृत्व रूस-विरोधी भावनाएं भड़काने में लगा है, और जर्मनी, फ्रांस तथा कई अन्य यूरोपीय देशों में भी ऐसा ही किया जा रहा है। अमेरिकी और रूसी राष्ट्रपति के बीच नई बैठक की संभावना पर पेस्कोव ने साफ़ किया कि अभी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच नई बैठक के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं है। पेस्कोव ने पत्रकारों से कहा, अब तक किसी भी हाईलेवल मीटिंग के बारे में कोई खास जानकारी नहीं है। अगर रूस-अमेरिका मीटिंग की बात करें तो राष्ट्रपति इसके लिए तैयार हैं। असल में, राष्ट्रपति पुतिन और ट्रंप अपनी टेलीफोन पर बातचीत में हमेशा इस बात पर जोर देते हैं कि जरूरत पड़ने पर वे भविष्य में एक और मीटिंग करने के लिए तैयार हैं।

## बलोचिस्तान के क्वेटा में पुलिस स्टेशन और केच में पाकिस्तानी सेना पर हमला

क्वेटा (बलोचिस्तान)। राजधानी क्वेटा में थाने (पुलिस स्टेशन) और केच में पाकिस्तान की सेना पर हमले की सूचना है। बताया गया है कि हथियारबंद लोगों ने क्वेटा के अद्यबर्ग इलाके में पुलिस स्टेशन पर हमला किया। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, थाने पर हमले के दौरान पुलिस और हथियारबंद लोगों के बीच झड़प भी हुई। पुलिस ने पांच हमलावरों को मार गिराने का दावा किया है। इस बीच, आज सुबह केच के हेरोग इलाके में एक धमाके में अज्ञात लोगों ने पाकिस्तान की थल सेना

के सैनिकों को निशाना बनाया। धमाके में कई सैनिकों के मारे जाने की बात कही जा रही है। मगर इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। इस बीच बलोचिस्तान लिबरेशन फ्रंट के प्रवक्ता मेजर घोरम बलोच ने जारी बयान में कहा है कि उनकी महिला शाखा करीमा आर्म्ड असॉल्ट डिवीजन ने तबुर्त के पास जुस्क में सीपीईसी हावे पर पाकिस्तानी सेना की एक्शन टास्क फोर्स के काफिले पर घात लगाकर हमला किया है। इस बड़े हमले में सेना के कई जवान मौके पर मारे गए। सेना की गाड़ियों को भी नुकसान हुआ है।

### रूस-अमेरिका शिखर बैठक के लिए तुर्की तैयार, अनुरोध मिलने पर देगा मंच

अंकारा रिया नोवोस्ती)। तुर्की के कैबिनेट के एक सूत्र ने बुधवार को रिया नोवोस्ती को बताया कि अगर रूस और अमेरिका की तरफ से अनुरोध किया जाता है तो तुर्की दोनों देशों के बीच शिखर सम्मेलन के लिए मंच उपलब्ध कराने को तैयार है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि वे यूक्रेन पर संभावित शांति समझौते की शर्तों के बारे में अपने रूसी समकक्ष से बातचीत कर रहे हैं। सूत्र ने कहा, अगर दोनों पक्ष अनुरोध करते हैं, तो तुर्की ट्रंप और पुतिन के बीच बैठक आयोजित करने और इसके लिए सभी जरूरी सुविधाएँ देने को तैयार है।

## नेपाल के पर्यटन क्षेत्र को बाढ़ से 5,267 करोड़ रुपये का शुरुआती नुकसान का आकलन

काठमांडू। नेपाल में बाढ़ और उसके बाद हुए भूस्खलन से देश के पर्यटन क्षेत्र को 52 अरब 67 करोड़ 45 लाख 76 हजार 500 नेपाली रुपये के बराबर का प्रारंभिक आर्थिक नुकसान होने का आकलन किया गया है। प्रभावित पर्यटन क्षेत्र के पुनरुद्धार और भविष्य में होने वाली आपदाओं से निपटने के लिए पूर्व तैयारी को व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से संबंधित समिति को पुनरुत्थान योजना का मसौदा तैयार करने की जिम्मेदारी भी दी गई है। संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मंत्रालय में मंगलवार को आयोजित पर्यटन क्षेत्र पर बाढ़-भूस्खलन के प्रभाव और पुनरुद्धार संबंधी रिपोर्ट की प्रस्तुति एवं चर्चा के दौरान नेपाल पर्यटन बोर्ड की त्वरित प्रतिक्रिया टीम (क्यूआरटी) के संयोजक एवं बोर्ड के कार्यकारी सदस्य सहदेव धमला ने प्रारंभिक रिपोर्ट पेश की। कार्यक्रम संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मंत्री खड्गराज पौडेल की मौजूदगी में हुआ। इसमें मंत्रालय के अधिकारी निरौला, सहसचिव एवं शाखा प्रमुख, नेपाल पर्यटन बोर्ड के प्रतिनिधि तथा निजी क्षेत्र के प्रतिनिधि शामिल

हुए। रिपोर्ट के अनुसार बाढ़ और भूस्खलन से विशेष रूप से रसुवा, गुवाकोट, धादिंग और गोरखा सहित विभिन्न क्षेत्रों में पर्यटन बुनियादी ढांचे, होटल एवं पर्यटन व्यवसाय, परिवहन संपर्क, ट्रेकिंग मार्ग और पर्यटक प्रबंधन को भारी नुकसान पहुंचा है। क्षेत्रवार शुरुआती आकलन के अनुसार सबसे ज्यादा नुकसान होटल व्यवसाय को हुआ है। रिपोर्ट में होटल क्षेत्र को 19 अरब 56 करोड़ 4 लाख 48 हजार रुपये, विदेशी पर्यटकों से होने वाली पर्यटन आय को 14 अरब 60 करोड़ 24 लाख 64 हजार रुपये और मानव संसाधन एवं पर्यटक प्रबंधन को 12 अरब 26 करोड़ 84 लाख 24 हजार 500 रुपये का नुकसान होने का अनुमान लगाया गया है। इसी तरह विरासत एवं पर्यटन बुनियादी ढांचे को 1 अरब 66 करोड़ 40 लाख रुपये, वाहनों को 1 अरब 51 करोड़ 40 लाख 80 हजार रुपये, रेस्तरां क्षेत्र को 1 अरब 38 करोड़ 50 लाख 20 हजार रुपये और लॉगिंग क्षेत्र में व्यावसायिक कारखानों को 1 अरब 27 करोड़ 64 लाख 40 हजार रुपये का नुकसान होने का आकलन है।

### फॉर्डिंग और सुधारों को लेकर वॉन डेर लेयेन-जेलेंस्की की बैठक में तनाव-रिपोर्ट

मॉस्को। रिया नोवोस्ती)। न्यूयॉर्क में यूरोपियन यूनियन (ईयू) की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की के बीच मंगलवार को हुई बैठक तनावपूर्ण होने का दावा किया गया है। ईयू अधिकारियों ने कीव से कहा कि वे नई फॉर्डिंग जारी करने से पहले शेंडो इकोनॉमी (अवैध आर्थिक गतिविधियों) से निपटने के लिए नए कानून, ज़्यादा टैक्स रेवेन्यू और ईयू कानूनों के साथ बेहतर तालमेल के मामले में प्रगति देखना चाहते हैं। ब्लूपर्भाग की रिपोर्ट में कहा गया है कि यूक्रेन से सड़ियों से पहले एयर डिफेंस सिस्टम की कमी को लेकर चिंता जताई। बैठक के बाद वॉन डेर लेयेन ने एक्स पर कहा, और ज़्यादा डिफेंस सपोर्ट मिल रहा है। और जैसे-जैसे राडा (यूक्रेनी संसद) में सुधार आगे बढ़ेंगे, बजट सपोर्ट की तैयारी को तेज करेंगे। रूस ने बार-बार चेतावनी दी है कि यूक्रेन की हथियारों की स्पलाई से समाधान की कोशिशों में बाधा आती है और नाटो सहयोगी देश भी इस संपर्क में शामिल हो जाते हैं। क्रेमलिन ने कहा है कि पश्चिम द्वारा यूक्रेन को हथियार देना बातचीत के लिए नुकसानदेह है और इसका बुरा असर पड़ेगा।

# नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की भारत यात्रा की तैयारियां तेज



काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की भारत यात्रा की तैयारियां तेज हो गई हैं। दोनों देशों के बीच नवंबर के अंतिम सप्ताह में शाह की भारत यात्रा को लेकर समन्वय चल रहा है। सूत्रों के अनुसार, 23 से 25 नवंबर के बीच प्रस्तावित यह यात्रा प्रधानमंत्री शाह की पहली औपचारिक द्विपक्षीय विदेश यात्रा होगी। प्रधानमंत्री शाह इस समय संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका के न्यूयॉर्क में हैं। हालांकि न्यूयॉर्क यात्रा उनकी पहली विदेश यात्रा है, लेकिन भारत यात्रा को उनकी पहली औपचारिक द्विपक्षीय विदेश यात्रा के तौर पर देखा जा रहा है। भारत ने जुलाई में प्रधानमंत्री शाह को औपचारिक रूप से भारत आने का निमंत्रण दिया था। भारत और नेपाल 23-25 नवंबर में शाह की यात्रा की तारीख तय करने के लिए काम कर रहे हैं। नेपाल के

वित्तमंत्री स्वर्णिम वाग्ले की हालिया भारत यात्रा को भी इस दौरे की पुष्टभूमि तैयार करने से जोड़कर देखा जा रहा है। वाग्ले ने भारतीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण और विदेशमंत्री एस. जयशंकर के साथ आर्थिक, ऊर्जा और कनेक्टिविटी सहयोग पर चर्चा की थी। प्रधानमंत्री शाह की प्रस्तावित भारत यात्रा को केवल राजनीतिक मुलाकात तक सीमित रखने के बजाय कनेक्टिविटी, ऊर्जा, व्यापार, बुनियादी ढांचे और बाढ़ के बाद पुनर्निर्माण से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित करने की तैयारी की जा रही है। शाह के दिल्ली दौरे के दौरान रक्सौल-काठमांडू ब्रांडगेज रेलवे लिंक को लेकर महत्वपूर्ण प्रगति की संभावना जताई जा रही है। भारत और नेपाल के अधिकारियों ने जून में काठमांडू में रेलवे सहयोग पर हुई बैठक में रक्सौल-काठमांडू रेल लिंक की फाइनल

#### सक्षिप्त समाचार

### नेपाल को पुनर्निर्माण के लिए अमेरिका देगा

### 31 मिलियन डॉलर की अतिरिक्त सहायता

काठमांडू। अमेरिका ने नेपाल में बाढ़ के बाद पुनर्स्थापना और पुनर्निर्माण के लिए अतिरिक्त 31 मिलियन अमेरिकी डॉलर की सहायता देने की घोषणा की है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय की राजनीतिक मामलों की उपसचिव एलिसन हुकर ने न्यूयॉर्क में नेपाल के विदेशमंत्री शिशिर खनाल के साथ मुलाकात के दौरान यह घोषणा की। बैठक में हुकर ने नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित लोगों और अब भी लापता करीब 70 अमेरिकी नागरिकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। अमेरिका ने प्रभावित क्षेत्रों में परिवहन बुनियादी ढांचे की बहाली और क्षेत्रीय संपर्क मजबूत करने के लिए 10 मिलियन डॉलर मूल्य के स्थायी तथा जरूरत के अनुसार स्थापित किए जा सकने वाले पुल उपलब्ध कराने की घोषणा की है। इन पुलों की खरीद अमेरिकी कंपनियों से की जाएगी। इसी तरह, प्रभावित समुदायों के लिए पेयजल, स्वच्छता एवं साफ-सफाई, आश्रय, संरक्षण, आजीविका और सड़ियों के लिए आवश्यक सहायता समेत विभिन्न क्षेत्रों में अतिरिक्त 8 मिलियन डॉलर उपलब्ध कराने की योजना है। बाढ़ के बाद आपदा प्रबंधन को और प्रभावी बनाने के लिए अमेरिका में निर्मित ड्रोन उपलब्ध कराने पर 13 मिलियन डॉलर खर्च करने की योजना भी घोषित की गई है। इस घोषणा के साथ नेपाल में बाढ़ राहत और पुनर्स्थापना प्रयासों के लिए अमेरिकी की कुल सहायता 36 मिलियन डॉलर से अधिक हो गई है। अमेरिकी दूतावास ने यह जानकारी दी। अमेरिका ने नेपाल सरकार के साथ मिलकर जरूरतों का आकलन करने और आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त सहायता उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता भी जताई है।

### बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव वाले क्षेत्र का असर शुरू, काठमांडू में दिनभर बारिश की संभावना

काठमांडू। बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव वाले क्षेत्र का प्रभाव नेपाल में दिखाई देने लगा है। मानसूनी हवाओं के साथ इस प्रणाली के प्रभाव के कारण बुधवार को देश के विभिन्न हिस्सों में बारिश हो रही है। मौसमविद् डेविड ढकाल के अनुसार कम दबाव प्रणाली का आंशिक प्रभाव बागमती प्रदेश से पूर्वी नेपाल तक दिखाई देने लगा है। हालांकि, गंडकी प्रदेश में अभी इसका खास प्रभाव नहीं देखा गया है। उन्होंने बताया कि मौजूदा बारिश के लिए कम दबाव प्रणाली के साथ-साथ मानसूनी हवाएं भी जिम्मेदार हैं। बागमती प्रदेश में बुधवार को दिनभर बारिश की संभावना है, हालांकि लगातार बारिश होने की संभावना नहीं है। मौसमविद् ढकाल के मुताबिक काठमांडू में भी दिनभर रुक-रुककर बारिश हो सकती है और धूप निकलने की संभावना कम है। मधेश प्रदेश में भी सुबह से बादल छाए हुए हैं। उन्होंने बताया कि कम दबाव प्रणाली अब गहरे कम दबाव वाले क्षेत्र में विकसित हो चुकी है और धीरे-धीरे जमीन की सतह की ओर बढ़ रही है। इसके बुधवार शाम या गुरुवार तक जमीन की सतह पर पहुंचने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में बारिश की गतिविधि और बढ़ सकती है। आज की तुलना में गुरुवार और शुक्रवार को बारिश अधिक होने की संभावना है। इस अवधि में ऊंचे पहाड़ी और हिमाली क्षेत्रों में भारी हिमपात की भी संभावना जताई गई है। पर्वतारोहण के मौजूदा मौसम को ध्यान में रखते हुए मौसम विभाग ने पहले ही रेड अलर्ट जारी कर दिया है।

### न्यूयॉर्क पहुंचे ईरान के राष्ट्रपति, समझौता न होने पर ट्रंप ने इस्लामिक रिपब्लिक को खत्म करने की धमकी दी

न्यूयॉर्क। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशिकयान मंगलवार (स्थानीय समय) को संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 81वें सत्र में हिस्सा लेने के लिए न्यूयॉर्क पहुंच गए। वह युद्ध पर ईरान का पक्ष रखेंगे और तनाव कम करने के लिए कूटनीतिक समाधान की कोशिश करेंगे। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चेतावनी दे चुके हैं कि अगर समझौता नहीं हुआ तो वे इस्लामिक रिपब्लिक को खत्म कर देंगे। इरान और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, पेजेशिकयान बुधवार सुबह महासभा के सत्र को संबोधित करेंगे। उम्मीद है कि वह इस दौरान संपर्क, कथित अपराधों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं पर ईरान के अविश्वास जैसे मुद्दों पर तेहरान का पक्ष रखेंगे। न्यूयॉर्क रवाना होने से पहले पेजेशिकयान ने कहा हम अंतरराष्ट्रीय मंचों पर ईरान का पक्ष मजबूती से रखेंगे। संयुक्त राष्ट्र में हम जो मुद्दे उठाएंगे, उनमें ईरानी जनता की दयनीय स्थिति, हुए अपराध और पैदा हुए अविश्वास को उजागर करना शामिल है। हम कई बार बातचीत की मेज पर बैठे और समझौतों पर हस्ताक्षर किए, लेकिन दुर्भाग्य से, पूरी दुनिया ने देखा कि कैसे वादे पूरे नहीं किए गए और समझौतों को पैरो तले रौंद दिया गया। पेजेशिकयान का आगमन ट्रंप के संयुक्त राष्ट्र महासभा संबोधन के ठीक बाद हुआ, जिसमें उन्होंने ईरान के साथ समझौता करने या इस्लामिक रिपब्लिक के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने के बीच एक विकल्प पेश किया। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर संघर्ष खत्म करने के लिए कोई समझौता नहीं हुआ तो वे इस्लामिक रिपब्लिक को खत्म कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें बड़ा फैसला लेना है। ट्रंप ने कहा कि ईरान इंतजार कर रहा है कि अमेरिकी मध्यस्थता चुनाव में उनका प्रदर्शन कैसा रहता है। उन्होंने कहा कि चुनाव का तेहरान के प्रति उनके नज़रिए पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा, ईरान के मामले में मैं चुनाव को बिल्कुल भी अहमियत नहीं देता और न ही दूंगा। यह मेरे दिमाग में भी नहीं आता। मेरे लिए सिर्फ एक ही बात मायने रखती है कि ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार नहीं होंगे।

### ईरान ने रद की तेहरान से बगदाद और मस्कट जाने वाली उड़ानें, टर्किश एयरलाइंस की सेवा मार्च तक बंद

तेहरान। ईरान ने बुधवार आधी रात से तेहरान से बगदाद और मस्कट जाने वाली उड़ानें रद कर दी हैं। ऐसा क्षेत्रीय एयरपोर्ट्स पर अमेरिकी दबाव बढ़ने के कारण किया गया है। इस दबाव का मकसद ईरान की एयरलाइंस को इंटरनेशनल ऑपरेशन्स से अलग-थलग करना है। ईरान के सिविल एविएशन ऑर्गेनाइजेशन ने कहा कि इराकी और ओमान की राजधानियों के लिए उड़ानें 23 सितंबर को स्थानीय समयानुसार रात 12 बजे से रद कर दी जाएंगी। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एजेंसी ने बताया कि ईरानी अधिकारी बगदाद जाने वाली उड़ानों को नजफ की ओर मोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। तस्नीम ने कहा कि बाकी इंटरनेशनल उड़ानें, जिनमें इस्तांबुल के लिए सेवाएं भी शामिल हैं, तय समय के अनुसार चलेंगी। इराक सिविल एविएशन अथॉरिटी के सूत्रों ने बताया कि इराकी सरकार ने अधिकारियों को बुधवार आधी रात से बगदाद के लिए ईरानी उड़ानें रोकने का आदेश दिया था। ईरान के सिविल एविएशन ऑर्गेनाइजेशन के प्रवक्ता माजिद अखवन ने भी कहा कि मस्कट एयरपोर्ट अब ईरानी यात्रियों को स्वीकार नहीं करेगा और तेहरान इन प्रतिबंधों को लेकर ओमान के अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। इन उड़ानों का रद होना ईरान के एविएशन सेक्टर के खिलाफ वाशिंगटन के तेज किए गए अभियान का शुरुआती नतीजा है। अमेरिकी वित्त सचिव स्कॉट बेसेंट ने सोमवार को कहा कि ईरानी एयरलाइंस 23 सितंबर से इंटरनेशनल ऑपरेशन्स से प्रभावी रूप से बाहर हो जाएंगी। उन्होंने एयरपोर्ट्स, फ्यूल सप्लायर्स, ग्राउंड-हैंडलिंग फर्मों और अन्य कंपनियों को चेतावनी दी कि प्रतिबंधों का सामना कर रही ईरानी एयरलाइंस को सेवाएं देने से उन पर अमेरिकी जुर्माना लग सकता है। ईरानी यात्रियों के लिए इराक अहम है, क्योंकि लाखों लोग देश के शिया पवित्र स्थलों, खासकर नजफ और कर्बला की यात्रा करते हैं।



# आयुर्वेद है रोग से बचाव की महत्वपूर्ण जीवन पद्धति : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रथागत नियमों नेरन्दे माओ के नेतृत्व में भारतीय योग और आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति पुनः विश्व में प्रतिष्ठित हुई है। भारतीय संस्कृति और जीवनशैली में आयुर्वेद सद्योग से समाविष्ट है। हमारी रसाई की वस्तुएं और भोजन में मसाले भी आयुर्वेद पर आधारित हैं। भारतीय संस्कृति और वेदों के ज्ञान में खंबे भवन् सुखिन- और वसुधैव कुटुम्बकम की भावना छिपी है। हम दुनिया के सुखी और स्वस्थ जीवन की कामना करते हैं और पूरी दुनिया को एक परिवार के रूप में देखते हैं। आयुर्वेद एकमात्र पंथी है, जो इस सिद्धांत में विश्वास करती है कि स्वास्थ्य केवल योग का उपचार नहीं, योग

से बचाव भी है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव बुधवार को 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर पंडित खुशीलाल शर्मा

शासकीय स्वशासी आयुर्वेद  
महाविद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय  
कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस

वीरान मुखमंजरी डॉ.यदव ने आयुष इंजन चिकित्सक के स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग पर कहा कि इस विषय पर आयुष मंत्री इंद्र सिंह परमार से चर्चा उपांगत समुचित निर्देश दिए जा चुके हैं। शोभन २०२१ इंजन चिकित्सक को शुभ समाचार प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद, आहार-विचार और व्यवहार में संतुलन रखना सिखाता है। इंजनों बीमारों से पहले ही व्यक्ति को स्वस्थ रखना महत्वपूर्ण है। कोरोना काल में मानव जीवन की रक्षा में योग, प्राणायाम और आयुर्वेद ने अपनी सामर्थ्य सिद्ध की है। भारत का गौरवशाली अतीत पश्चिमी देशों में पुन-

प्रतिष्ठित हो रहा है। इस साल स्कॉटलैंड के एडिन्बरा में दुनिया के सबसे पुराने सार्जिकल संस्थान रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स में शल्य क्रिया के जनक महर्षि सुश्रुत को प्रिम्ता स्थापित की गई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 तक आयुष्य का बाजार लगभग 3 बिलियन डॉलर था, जो अब बढ़कर 43 बिलियन डॉलर तक पहुँच गया है। राज्य सरकार आयुर्वेद को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाविद्यालय के रहने जयंती ऑडिटीोरियम में भावाना प्रवर्तित की की प्रतिमा के समुष्म दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ

निया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव नेइससे पहले परिसर में रक्त चंदन का पौधा रोपा तथा पारम्परिक विनित्सा रूपाई से जनसामान्य को जोड़ने के लिए लगाई गई आयुर्वेद प्रदर्शनी का शुभाभिन कर विभिन्न स्टॉल केा अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने आयुर्वेद दिवस पर प्रदेशवासियों को कई सीगातों प्रदान की। इसके अंतर्गत 184 कोरुष भवनों, सीगातों और महाविद्यालयों की सीगात प्रदेशवासियों को सौंपी उहोंनें 4 करोड़ 70 लाख रुपए की लागत से बनें 12 आयुष भवनों का

लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 179 करोड़ रुपए की लागत से 13 आयुष भवन चिकित्सालयों और आयुर्वेद महाविद्यालयों की आधारशिला रखी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयुर्वेद महाविद्यालय परिसर में 6 एकड़ क्षेत्र में बने स्टेट कंपोजिट हर्बल गार्डन का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जगन्नाथपुरी बहुल हंड्री जिले में आयुर्वेद को प्रोत्साहन देने के लिए स्थापित 102 करोड़ रुपए लागत के महाविद्यालय का शुभारंभ भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयुष वेलनेस पर्यटन केंद्र के नामों का अनावरण किया, अब ये केंद्र आयुष आरोग्यमय धाम के रूप में जाने जाएंगे।

# भोपाल सहित प्रदेशभर में यूपीआई चार्ज को लेकर व्यापारियों ने जताया विरोध

**मध्यप्रदेश में नो-यूपीआई डे पर 2,000 से ज्यादा पेमेंट नहीं लिया आनलाइन**

भोपाल। मध्य प्रदेश में बुधवार को व्यापारियों ने प्रस्तावित यूपीआई चार्ज के विरोध में 'नो-यूपीआई डे' मनाया। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर समेत कई शहरों में व्यापारियों ने 2 हजार रुपये से ज्यादा के यूपीआई पैमेंट लेने से इनकार किया। दुकानों के कपड़ा स्क्वेअर और सॉर्टड बॉक्स पर काला क्यूआर बांधकर विरोध जताया गया। यूपीआई का प्रतीकात्मक मुतुराला लटकाया गया। भोपाल चेंबर के प्रबन्धक अजय देवानी ने कहा- यूपीआई पर लगाना जा रहा शुल्क जायज नहीं है। अहिल्या चेंबर के सदस्य कैलाश चंद्र खेंबेलवाल ने कहा- सरकार हिंड एजेंड चला रही है। भोपाल के सरकारी कारोबारियों ने दावा किया कि इससे 2 प्रतिशत तक महंगाई बढ़ सकती है। थोक लगाने पर कारोबारियों ने कहा- अतिरिक्त चार्ज लगाने पर इसे ग्राहकों से वसूल करना मुश्किल हो जाएगा। वहीं, कैट के जिलाध्यक्ष



धर्मद्र शर्मा ने कहा- व्यापारी यूपीआई के विरोध में नहीं हैं, बल्कि एमडीआर की अतिरिक्त लागत का विरोध कर रहे हैं। जब शुल्क व्यापारी से ही लिया जाना है तो एमडीआर की जगह इसे 'मचेंट टैक्स रेट' क्यों न कहा जाए। इंदौर के व्यापारियों ने भी कहा कि चार्ज से कारोबारियों का नुकसान होगा और इसका असर जनता पर पड़ेगा। भोपाल के सराफा बाजार में सुनौल जैन सोने की अंगुठी खरीदने पहुंचे थे। पैसे 2 हजार

रूप से ज्यादा होने पर दुकानदार ने ऑनलाइन भुगतान लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद सुनील जैन बिना खरीदारी किए वापस लौट गए। इंदौर में टाइल्स एंड सैनिटरी वेयर ट्रेडर्स एसोसिएशन ने रीगल स्कायर पर प्रदर्शन किया। इसमें 150 से ज्यादा व्यापारी शामिल हुए। व्यापारियों ने 'यूपीआई बंद करो,यूपीआई पर चार्ज बढ़ाओ' के नारे लगाए। रागवाड़ा के व्यापारियों ने दुकानों पर पोस्टर लगाकर फैसला वापस

लेने की मांग की। रिटेल गारमेंट्स व्यापारियों ने भी क्यूआर कोड और साउंड बॉक्स पर नफा कपड़ों बांधकर विरोध किया। बाद में एसोसिएशन के पदाधिकारी प्रदर्शन रोककर दुकानों पर लौट गए। उन्होंने अगली रणनीति बैठक में तय करने की बात की। रणनीति में व्यापारियों ने यूपीआई से न तो भुगतान लिया और न ही किया। दुकानों के क्यूआर कोड पर काली पट्टी लगाई गई। व्यापारियों का कहना है कि वे पहले से ही जीएसटी इनकम टैक्स समेत कई तरह के बटवें दे रहे हैं। लगातार टेक्स और चार्ज बढ़ने से कारोबार बंद करने की स्थिति बन सकती है। जबलपुर में नागरिक उपभोक्ता मंच, मानव अधिकार क्रांति समेत विभिन्न संगठनों ने मालवीय चौक पर पर्चे बाँटे। लोगों ने नो-यूपीआई डे को समर्थन देते की अपील की। संगठनों का कहना है कि अतिरिक्त लागत का असर अंततः उपभोक्ताओं पर पड़ सकता है। व्यापारी इसकी भरपाई सामान की कीमत बढ़ाकर कर सकते हैं।

**दवाओं की कीमतों में असामान्य अंतर की समीक्षा कर मूल्य-नियंत्रण करें : पटवारी**

## जीवनरक्षक दवाओं की कीमतों में अंतर पर जीतू पटवारी ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र

भीपाल। जीवनरक्षक और आश्चर्यक दवाओं की कीमतों में अंतर का मूद्वा अब राजनीतिक स्तर पर भी चर्चा खड़ा गया है। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बुधवार को राष्ट्रपति को पत्र लिखकर दवाओं की कीमतों में असमान्य अंतर की समीक्षा और प्रभावों पर चर्चा-निर्णय व्यवस्था लागू करने की मांग की है। पटवारी ने यह पत्र ऐसे समय लिखा है, जब सुप्रीम कोर्ट ने 22 सितंबर को आवश्यक कैसर दवाओं के प्राइज टूल रिटेलर (पीजीआर) और मैक्सिमम रिटेल प्राइज (एमआरपी) के बीच बड़े अंतर पर चिंता जताई थी। जीतू पटवारी ने पत्र में सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के आंबाला देते हुए कहा कि अतलत के समक्ष एक आवश्यक कैसर दवा की पीजीआर 2,700 रुपए और एमआरपी 27,000 रुपए होने का उदाहरण रखा गया। यानी दोनों कीमतों के बीच करीब दस गुना अंतर है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने इस तरह के मूल्य अंतर पर खाल ठोस ठुकराते हुए दवा मूल्य निर्धारण और नियामकीय व्यवस्था को लेकर चिंता व्यक्त की थी। कांग्रेस प्रेश अध्यक्ष ने कहा कि यह मामला केवल किसी एक दवा तक सीमित नहीं है, बल्कि गंधीर बीमारियों के इलाज में हमसाला दवाओं वाली दवाओं की कीमत यत्र करने की मौजूद व्यवस्था की समीक्षा से जुड़ा है। उन्होंने केंद्र से यह सुझाव



करने की मांग की कि जीवननक्षक दवाओं की नियमों में अत्यधिक अंतर को रोकने के लिए मौजूदा नियमों में तहत क्या कदम उठाए जा रहे हैं। पटवारी ने अपने पत्र में इस (प्राइज कंट्रोल) आर्डर, 2013 का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके तहत निर्धारित दवाओं के लिए Ceiling प्राइज तय करने की व्यवस्था है। उन्होंने सरकार से मांग की कि कैंसर सहित गंभीर बीमारियों में इस्तेमाल होने वाली आवश्यक दवाओं की मूल्य-निबंधन व्यवस्था की व्यापक समीक्षा की जाए और जहाँ जरूरी हो, उपलब्ध प्राइजनिर्धारण प्रथाओं का इस्तेमाल किया जाए। उन्होंने प्राइजक्यूरेटर, प्राइजड्यूस्टराकिस्ट और एमआरपी के बीच असमानता और वार्ता दवाओं की पेशवा कर उन्नीस लाख करने तथा दवाओं की कीमत और व्यापारिक मार्जिन से जुड़ी जानकारी को अधिक पारदर्शी बनाने की मांग भी की।

## मुख्यमंत्री व ने एशियन गेम्स में पदक विजेता खिलाड़ियों को दी बधाई

भीषाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एशियन गेम्स 2026 में पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि एशियन गेम्स में भारत के खिलाड़ी निरंतर पदक अर्जित कर रहे हैं। खिलाड़ियों के समर्पण और टीम वर्क ने देश को गौरवान्वित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वुमेन्स 49 किलोग्राम वेल्डलिफ्टिंग सेक्टर में तिलक मेडल जीतने पर सुश्री मोरबाई चानू, मेन्स सिंगल्स साफ्ट टेनिस इवेंट में कांस्य पदक जीतने पर श्री जय मीणा तथा महिला स्कीट टीम इवेंट में सुश्री परिराज धालीवाल, सुश्री रायजा दिव्हें और सुश्री महेश्वरी चौहान तथा पुरुष स्कीट में श्री अनंतजीत सिंह नेरुक्का, भवतेग सिंह गिल और मेराज अहमद खान को कांस्य पदक जीतने पर सभी खिलाड़ियों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खिलाड़ियों को मेहनत, लगन और मजबूत संकल्प ने देश का मान बढ़ाया है। यह शानदार उपलब्धि हम सभी के लिए गौरव का क्षण होने के साथ-साथ देश के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का अवसर भी है। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एशियन गेम्स-2026 में ब्रॉज मेडल जीतने पर भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने एक बार फिर विश्व पटल पर तिरंगा का गौरव बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश को बैडमिंटन टीम के सभी खिलाड़ियों पर गर्व है।

अस्पताल भवन बनते ही उपकरण,  
फर्नीचर और स्टाफ भी तैयार रखें

भोपाल। मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बुधवार को मंत्रालय में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं के निर्माण कार्यों की प्रगति एवं पूर्ण हो चुके कार्यों के लोकार्पण की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्यों की सतत एवं सघन मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संस्थाओं के भवन निर्माण का कार्य पूर्ण होने के बाद उनके संचालन में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। निर्माण कार्य पूर्ण होने के साथ ही मानवशक्ति उपकरण एवं फनीचर की उपलब्धता तथा आवश्यक मानव संसाधन की पदस्थापना की प्रक्रिया समन्वयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए, ताकि स्वास्थ्य संस्थाओं का संचालन तत्काल प्रारंभ किया जा सके। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि निर्माण एजेंसियों, अस्पताल प्रशासन एवं संबंधित विभागीय एजेंसियों के मध्य प्रभावी समन्वय स्थापित कर निर्माण, उपकरण, फनीचर और मानव संसाधन से संबंधित सभी कार्यों की एकीकृत रूप से मॉनिटरिंग की जाए।

प्रत्येक स्तर पर निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

## बृजगोपाल लोया बने मध्यप्रदेश

## भाजपा के नए प्रदेश मीडिया प्रभारी

भीपाल। मध्य प्रदेश भाजपा ने सांठन के मीडिया विभाग में बदलाव करते हुए बृजगोपाल लोया को नया प्रदेश मीडिया प्रभारी नियुक्त किया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खडेलवाल की सहमति से बुधवार को जारी आदेश में हुई यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। लोया पूर्व प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल की जगह जिम्मेदारी संभालेंगे। आशीष अग्रवाल को राष्ट्रीय संगठन में मीडिया से जुड़ी जिम्मेदारी मिलने के बाद प्रदेश मीडिया प्रभारी का पद रिक्त था। बृजगोपाल लोया रायसेन जिले से हैं और भाजपा के मीडिया विभाग में पहले भी जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। वे प्रदेश प्रवक्ता के साथ प्रदेश सह मीडिया प्रभारी के रूप में भी काम कर चुके हैं। इस वजह से प्रदेश संगठन और मीडिया के बीच समन्वय से जुड़े कामों का उन्हें अनुभव है। प्रदेश मीडिया प्रभारी के तौर पर बृजगोपाल लोया के पास पार्टी की गतिविधियों, सांठन के कार्यक्रमों और भाजपा के आधिकारिक पक्ष को मीडिया तक पहुंचाने की जिम्मेदारी होगी। प्रदेश सांठन और सरकार से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर मीडिया समन्वय भी उनके दायित्व का हिस्सा रहेगा। दरअसल, आशीष अग्रवाल के राष्ट्रीय स्तर पर जिम्मेदारी संभालने के बाद से प्रदेश भाजपा में नए मीडिया प्रभारी की नियुक्ति को लेकर चर्चा चल रही थी। अब लोया की नियुक्ति के साथ प्रदेश मीडिया विभाग को नया नेतृत्व मिल गया है।

**दीक्षांत शपथ का केवल एक दिन नहीं  
बल्कि आजीवन पालन करें : राज्यपाल**



विद्यार्थियों से कहा कि अपने ज्ञान और प्रतिभा से समाज एवं राष्ट्र निर्माण के लिए काम करें। विकास भारत के संकल्प को साकार करें।



## राज्यपाल पटेल ने पद्मश्री अनूप जलोटा और क्रिकेटर रजत को दी मानद उपाधि

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि दीक्षांत विद्यार्थियों के लिए भावी जीवन का वास्तविक उपदेश उनकी दीक्षांत शपथ में ही निहित है। इसलिए दीक्षांत विद्यार्थी दीक्षांत शपथ का का केवल एक दिन नहीं बल्कि आजीवन पालन करें। हमेशा विनम्र रहें। कभी अभिमान ना लें। माता-पिता, गुरुजनों और विश्वविद्यालय से प्राप्त शिक्षा और संस्कारों से जीवन में प्रगति प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि दीक्षांत होने वाले व्यक्ति संसद हर क्षण पीछे न मानवता की सेवा का संकल्प धारण करें। मरीजों के साथ अत्यंत दया के साथ आत्मीय व्यवहार करें। उनकी समस्याओं को धैर्य के साथ सुने और उपचार करें। राज्यपाल की पीटेल बुधवार को मानसरोवर ग्लोबल लैंग्वेज विश्वविद्यालय सीहोर के दीक्षांत समारोह और

ग्रेजुअल डे कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे इस अवसर पर उन्होंने प्रख्यात भजन गायकवन्दना प्रसादी जी को पदवी अर्पण जलौटा और मध्यप्रदेश के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर रजत पाटीदार को मानदवन्दना पदवी प्रदान की। विश्वविद्यालय के दीक्षितविद्यार्थियों को पदवी अर्पण पत्र प्रदान किए सभी को भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं दी कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित समारोह में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार भी मौजूद रहे। राज्यपाल श्री परेल ने कहा कि विश्वविद्यालय, विद्यार्थियों में सेवा संस्कारों को विकसित करने के विशेष प्रयास करें। उन्हें वंचित वर्गों के कल्याण को प्रेरणा दें। विशेषज्ञ अवसरों पर रक्तदान शिविर, सामाजिक सहभागिता आदि पर आधारित गतिविधियों का आयोजन करें। संस्कार के माध्यम से दूरस्थ ग्रामीण इलाकों के प्रतिभावान बच्चों को बेहतर के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं। उन्होंने



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान में 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भगवान धन्वंतरि की पूजा-अर्चना की।

माँ तुझे प्रणाम योजना ऐतिहासिक धरोहरों से जोड़ने का सशक्त माध्यम: विश्वास सारंग

**मंत्री सारंग ने माँ तुझे प्रणाम योजना के तहत भ्रमण के लिये आए युवाओं से किया संवाद**

भोपाल। सैकाह्रति, खेल और युवा कल्याण मंत्री विधायक कैलाश साहू ने बुधवार को भोपाल स्थित ए.टी.टी. नगर स्टेडियम में मौं तुझे प्रणाम योजना के अंतर्गत भ्रमण के लिये ग्वालियर,अशोकनगर एवं इंदौर आया। सै आया मुओं से संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं से असाहबन करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं तथा परीग ऑफ कर प्रदेश की ऐतिहासिक,सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के भ्रमण के लिए रवाना किया। मंत्री श्री साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में विभिन्न समूहों में प्रदेश के युवाओं को प्रदेश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों से जोड़ते हुए 6 जोड़ने में (मालवा, भोपाल, ग्वालियर-जबल,बुंदेलखंड, जबलखंड एवं महाकौशल) इन ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं भौगोलिक स्थलों का भ्रमण कराय जा रहा है। उन्होंने कहा कि मौं तुझे प्रणाम योजना युवाओं को प्रदेश की विरासत और ऐतिहासिक धरोहरों से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। इसके साथ ही इस योजना के माध्यम से प्रतिवर्ष प्रदेश के युवाओं को विभिन्न समूहों में देश की अंतर्राष्ट्रीय सीमा का भ्रमण कराय जाता है। देश की अंतर्गत 06-जोड़ने युवाओं को विभिन्न समूहों में मध्यप्रदेश के विभिन्न



अञ्चल में स्थित प्रमुख ऐतिहासिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक स्थलों का भ्रमण करायी जा रहा है। मालवा जोन में महाकालेश्वर, गांधी सागर, पशुपतिनाथ, धर्मराजेश्वर, आंकारेश्वर, मांडू एवं महेश्वर जैसी प्रमुख स्थलों को शामिल किया गया है। भोपाल जोन में संची, उदयगिरि, भोजपुर, रातापानी, मानव संहारालय, शौर्य स्मारक, भीमदेवता, महुँद एवं पचमढ़ी सहित अन्य प्रमुख स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। पश्चिमालय-चंचल जोन में ग्वालियर के फोर्ट एवं पैलेस, कूनों नेशनल पार्क, दतिया, चंदेरी एवं मायब नेशनल पार्क जैसे प्रमुख स्थल शामिल हैं। बुंदेलखंड जोन में खुजुराहो, जयशंकर, पना के ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल, पना टाइगर रिजर्व, ओरछा एवं नौरादेही टाइगर रिजर्व का भ्रमण कराया जाएगा।